www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 टैरिफ की चुनौतियों के बीच चीन से सहयोग की संभावनाएं

ट्रम्प का जापान पर अमेरिकी चावल खरीदने का दबाव 06

वर्ष :17 | अंक :152 | प्रयागराज , सोमवार , 01सितम्बर , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में चार करोड़ रुपये से अधिक कीमत की हेरोइन बरामद, तीन लोग गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने रविवार को दो महिलाओं समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर चार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की हेरोइन बरामद की है।एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने 29 अगस्त को दो चरणों में चलाए गए अभियान में लगभग 1.012 किलोग्राम हेरोइन बरामद की। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले जहांगीरपुरी निवासी अफसाना (23) को भलस्वा डेयरी इलाके में गिरफ्तार किया गया और उसके पास से लगभग 300 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान अफसाना ने उस व्यक्ति का नाम उजागर किया जिसने उसे हेरोइन दी थी। अधिकारी ने बताया कि इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी कर बुराड़ी इलाके से नरेंद्र (37) और उसकी पत्नी ज्योति (35) को गिरफ्तार किया। नरेंद्र को बुराड़ी स्थित परिवहन प्राधिकरण कार्यालय के पास से पकड़ा गया, जबकि ज्योति को उसके आवास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि बुराड़ी स्थित उनके फ्लैट की तलाशी में कई जगहों पर छिपाकर रखी गई 712 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत चार करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है।

हाथरस में कार व पिकअप वाहन की टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत

हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र में एक कार और पिकअप वाहन की टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हाथरस शहर के ओढ़पुरा निवासी विष्णु शर्मा (25), दीपक (24) और अनस (24) सिकंदराराऊ से हाथरस की ओर कार से आ रहे थे और जब कार राजमार्ग पर कैलोरा के पास पहुंची तो सामने से आ रहे पिकअप वाहन से उसकी टक्कर हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हादसे में विष्णु शर्मा और दीपक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार चालक अनस गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायल को इलाज के लिए एक अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। हादसे में पिकअप वाहन पलट गया और उसका चालक वहां से फरार हो गया। हाथरस जंक्शन कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सतेंद्र सिंह राघव ने बताया कि कार सिकंदराराऊ की तरफ से आ रही थी और राजमार्ग पर गलत दिशा से आ रहे पिकअप वाहन से टक्कर हो गई।

आतंकवाद से लड़ाई में भारत का साथ दे चीन : पीएम मोदी

आपसी विश्वास और सम्मान से भारत-चीन संबंधों को आगे बढ़ाया जाएगा, पीएम मोदी ने शी जिनपिंग से की वार्ता

शिखर सम्मेलन

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले साल कजान में उनकी बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई थी जिसने भारत-चीन संबंधों को सकारात्मक दिशा दी।

एजेंसी

नई दिल्ली और बीजिंग के बीच संबंधों में सुधार की उम्मीद के साथ, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन की दो दिवसीय यात्रा पर गए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले साल कजान में उनकी बहुत ही उपयोगी चर्चा हुई थी जिसने भारत-चीन संबंधों को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने आगे कहा कि सीमा पर सैनिकों की वापसी के बाद, शांति और स्थिरता का माहौल बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा प्रबंधन को लेकर भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता हो गया है। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू कर दी गई है और दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें भी बहाल की जा रही हैं। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित उनके सहयोग से जुड़े हैं और यह पूरी मानवता के कल्याण में योगदान देगा। उन्होंने आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें चीन की सफल एससीओ अध्यक्षता के लिए बधाई दी।

सात साल में पहली बार चीन के दौरे पर पीएम

रिश्तों में नरमी, लेकिन पुराने विवाद बरकरार

मोदी के चीन दौरे के बाद भारत और चीन के रिश्तों में नरमी के संकेत दिखे हैं। 2020 की गलवान झड़प के बाद पहली बार दोनों देशों ने सीमा और व्यापार से जुड़े कई अहम मसलों पर सहमति बनाई है। लेकिन सीमा विवाद और पानी के मसले जैसे बड़े विवाद बने हुए हैं। आर्थिक दबाव और वैश्विक हालात ने दोनों को साथ बैठने पर मजबूर किया है, पर पूरी तरह भरोसा बनने में वक्त लग सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के 125वें एपिसोड में मानसून के कहर से हुई तबाही पर दुख जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 125वें एपिसोड में राष्ट्र को संबोधित किया। मन की बात के 124वें संस्करण में, प्रधानमंत्री मोदी ने अंतरिक्ष अन्वेषण, विज्ञान, खेल और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत की बढ़ती उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देश भर में लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने इस प्राकृतिक आपदा के दौरान हुई जान-माल और बुनियादी ढाँचे के नुकसान पर दुख व्यक्त किया।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा इस मानसून के मौसम में, प्राकृतिक आपदाएँ देश की परीक्षा ले रही हैं।

'एसआईआर के बाद बिहार में सभी मतदाताओं का नया मतदाता पहचान पत्र जारी होगा'

नई तस्वीर का उपयोग रिकॉर्ड को अपडेट करने और नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने के लिए किया जाएगा

निर्वाचन आयोग बिहार में एसआईआर का काम को पूरा कर लेने के बाद राज्य भर के मतदाताओं के लिए नया वोटर आईडी कार्ड जारी करेगा.

एजेंसी

नई दिल्ली : बिहार में मतदाता सूची को लेकर जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) काम के पूरा हो जाने के बाद निर्वाचन आयोग राज्य में सभी मतदाताओं को नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने की योजना बना रहा है. उन्होंने कहा कि बिहार में हर मतदाता को एक नया पहचान पत्र जारी किए जाने की योजना है, लेकिन इस प्रक्रिया को कब और कैसे पूरा किया जाएगा इस पर अंतिम फैसला लिया जाना बाकी है. बताया जाता है कि जब मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए गए तो उनसे भरे हुए दस्तावेज अपनी नई तस्वीर के साथ जमा करने के लिए कहा गया. नई तस्वीर का उपयोग रिकॉर्ड को अपडेट करने और नए मतदाता पहचान पत्र जारी करने के लिए किया जाएगा. गौरतलब है कि एक अगस्त को प्रकाशित बिहार की मसौदा मतदाता सूची के मुताबिक राज्य में 7.24 करोड़ वोटर हैं. वहीं राज्य की अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी. साथ ही राज्य में विधानसभा चुनाव नवंबर में कराए जाने की उम्मीद है. वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को खत्म हो रहा है और उससे पूर्व नए सदन का गठन किया जाना जरूरी होगा. निर्वाचन आयोग के मुताबिक अभी तक

इस बारे में रविवार को जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि नए मतदाता पहचान पत्र को कब जारी किया जाएगा, इस बारे में निर्वाचन प्राधिकरण के द्वारा अभी अंतिम निर्णय लिया जाना है.

गणना फॉर्म भरने वालों में से 99 प्रतिशत लोगों ने अपने दस्तावेज जमा कर दिए हैं. वहीं करीब 30 हजार लोगों ने वोटर लिस्ट में शामिल होने के लिए याचिका दायर की है क्योंकि उनके नाम मसौदा सूची में नहीं थे.इसके साथ ही बिहार पहला राज्य बन गया है जहां मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर भीड़ भाड़ कम करने के मकसद से हर मतदान केंद्र में मतदाताओं की संख्या 1500 से घटाकर अधिकतम 1200 कर दी गई है. वहीं राज्य में मतदान केंद्रों की संख्या 77 हजार से बढ़कर 90 हजार हो गई है. इसी प्रक्रिया को पूरे देश में लागू किया जाएगा. पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान देश में 10.5 लाख मतदान केंद्र थे.

फोटो खिंचवाने का मौका, जैकेट का रंग नहीं...

पीएम मोदी-जिनपिंग की बैठक पर बोले असदुद्दीन ओवैसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तियानजिन की दौरे पर पहुंचे हैं. इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की.

एजेंसी

असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार (31 अगस्त, 2025) को तियानजिन में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात को लेकर बयान दिया है. उन्होंने पीएम मोदी और शी जिनपिंग की हुई बैठक को पूरी तरह से विफल करार दिया है. उन्होंने कहा कि जिन सवालों के जवाब की तलाश भारत के लोगों को थी, उन्हें इस बैठक से उनके जवाब नहीं मिले.असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम मोदी और शी जिनपिंग की मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रविवार (31 अगस्त, 2025) को एक पोस्ट साझा किया. पोस्ट में ओवैसी ने कहा, चीन के राष्ट्रपति के साथ आज भारत के प्रधानमंत्री की बैठक उन महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने में विफल रही है जिनकी भारतीयों को तलाश थी. इसके अलावा, दुर्लभ मृदा और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं की आपूर्ति फिर से शुरू करने के बारे में भी चीन ने कोई वादा नहीं किया है. न ही उसने कहा है कि वह भारत से और सामान आयात करेगा. ये वे मुद्दे हैं जो भारतीयों के लिए मायने रखते हैं, न कि फोटो खिंचवाने का अवसर, जैकेट का रंग या कालीन की लंबाई. दुख की बात है कि मोदी-शी जिनपिंग की बैठक ठोस मुद्दों पर कोई समाधान निकालने में विफल रही.

पीएम मोदी और शी जिनपिंग की बैठक को लेकर क्या बोले ओवैसी?

इस सूची में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को चीन का समर्थन और अफगानिस्तान में विस्तार करने का सवाल सबसे ऊपर है. हमने चीन की ओर जल विज्ञान संबंधी नदी डेटा साझा करने पर भी एक शब्द भी नहीं सुना है. लद्दाख में सीमा की स्थिति भी ऐसी है कि हमारे बहादुर सैनिक बफर जोन में गश्त नहीं कर सकते हैं और साल 2020 के बाद हमारे चरवाहों को कई क्षेत्रों में जाने की अनुमति नहीं है.

भारत की ग्रीन एनर्जी क्रांति का नया केंद्र बनेगा आंध्र प्रदेश, 2.5 लाख करोड़ का निवेश

आंध्र प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में 2.5 लाख करोड़ का निवेश तय. विशाखापट्टनम, कृष्णापट्टनम, काकीनाडा और तिरुपति में प्रोजेक्ट्स, राज्य बनेगा ग्रीन एनर्जी निर्यातक.

विशाखापट्टनम/अमरावतीः आंध्र प्रदेश अब भारत की ग्रीन एनर्जी क्रांति का अग्रदूत बनने की तैयारी कर रहा है. करीब 974 किलोमीटर लंबा समुद्री तट, प्रमुख बंदरगाह और प्रचुर जल संसाधनों के बल पर राज्य तेजी से ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का केंद्र बन रहा है. राज्य सरकार के अनुसार, विशाखापट्टनम, कृष्णापट्टनम, काकीनाडा और तिरुपति में चल रही परियोजनाओं में अब तक 2.5 लाख करोड़ से अधिक का निवेश सुनिश्चित हुआ है. यदि ये योजनाएँ पूरी तरह साकार होती हैं तो आंध्र प्रदेश न केवल अपनी औद्योगिक जरूरतें पूरी कर सकेगा, बल्कि ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा निर्यातक भी बन सकता है.

राजस्थान में किले की दीवार ढही; पंजाब में दीवार गिरने से शख्स दबा, मौत

पंजाब में मानसा के जवाहर के गांव में बारिश के कारण ईंट भट्ठे के गोदाम की दीवार गिर गई। इसके नीचे दबकर साइकिल सवार किसान की मौत हो गई। राजस्थान के हनुमानगढ़ में स्थित भटनेर दुर्ग की दीवार बारिश की वजह से ढह गई।

एजेंसी

उत्तराखंड । पिथौरागढ़ में धौलीगंगा पावर प्रोजेक्ट की टनल में फंसे 19 कर्मचारियों को रविवार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। शनिवार को लैंडस्लाइड के चलते टनल का रास्ता बंद हो गया था। उधर पंजाब के आठ जिलों के 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया हैउधर आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने रविवार को एक ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सितंबर में उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा बना हुआ है।अगले महीने राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सितंबर में सामान्य (167.9 मिमी) से ज्यादा बारिश होगी।

पंजाबः बाढ़ का कहर जारी, ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ा

पंजाब में इस समय सतलुज, ब्यास और रावी नदियां अपने उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश के चलते नदियों में बाढ़ का पानी बढ़ा है। इससे स्थिति और बिगड़ रही है।

यूपी: फर्रुखाबाद में सड़क बही, ग्रामीओं ने अस्थाई पुल बनाया

फरुर्खाबाद में गंगा नदी उफान पर है।50 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। भुढ़िया भेड़ा में सड़क बाढ़ में बह गई। इसके बाद ग्रामीण नाव से आवागमन कर रहे थे, लेकिन तेज बहाव के कारण दिक्कतें आ रही थीं।

गांव हो या शहर, हर इलाके को स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ रही मोदी सरकार: अहमदाबाद में बोले अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के ओगणज और चांदलोडिया में शहरी स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया.

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद के प्रसिद्ध श्री भद्रकाली माता मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की. इसके बाद सरदारबाग गार्डन का उद्घाटन भी किया.

एजेंसी

- अमित शाह ने सोशल मीडिया पर कहा कि मोदी सरकार देश के हर कोने को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ रही है.
- उन्होंने अहमदाबाद के प्रसिद्ध भद्रकाली माता मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और भाजपा कार्यकर्ताओं से भी मिले.

अहमदाबादः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद दौरे के दौरान शहरी स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया. उन्होंने इस कार्यक्रम से संबंधित तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की और एक ?स पर लिखा कि सुदूर गांव हो या शहरी क्षेत्र, मोदी सरकार देश के हर कोने को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ रही है. इसके साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद के प्रसिद्ध श्री भद्रकाली माता मंदिर में दर्शन किए और पूजा-अर्चना की. इस दौरान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चौबंद रखा गया, जिसमें भारी संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी. पूजा-अर्चना के बाद केंद्रीय गृह मंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात की।

चेन्नई में बादल फटने से एक घंटे में हुई 100 मिमी बारिश, कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

चेन्नईः निजी मौसम विज्ञानी प्रदीप जॉन ने बताया है कि बादल फटने के कारण कल रात एक घंटे में चेन्नई में 100 मिमी बारिश दर्ज की गई. चेन्नई और उसके उपनगरों में 30 अगस्त की रात 10 बजे से 11 बजे तक तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हुई. खास तौर पर, चेन्नई के रॉयपुरम, परिमुनई, वडापलानी, नुंगमबक्कम और कोयम्बेडु जैसे इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई.

मनोनीत कांग्रेस नेताओं का जताया आभार

मोहम्मद अजहरुद्दीन तेलंगाना विधान परिषद के लिए मनोनीत

एजेंसी

नयी दिल्ली।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तेलंगाना में राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में मनोनीत किया गया है। उन्होंने कैबिनेट के इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए इसे 'सम्मानित और विनम्र' करने वाला क्षण बताया। अजहरुद्दीन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इन नेताओं के विश्वास के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी प्रमुख महेश गौड़ और तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और राज्य की 'ईमानदारी और समर्पण' के साथ सेवा करने का वादा किया। शनिवार, 30 अगस्त को, तेलंगाना कैबिनेट ने विधान परिषद के लिए दो नामों को मंजूरी दी, जिनमें प्रोफेसर एम. कोडंडाराम और मोहम्मद अजहरुद्दीन शामिल हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद आया है, जिसमें तेलंगाना जन समिति के संस्थापक कोडंडाराम और द सियासत डेली के समाचार संपादक आमेर अली खान के पिछले नामांकन रद्द कर दिए गए थे। इन नामांकनों को भारत राष्ट्र समिति (इफर) के नेताओं दासोजू श्रवण और कुर्रा सत्यनारायण ने कानूनी चुनौती दी थी। उनकी सिफारिशों को 2023 में तत्कालीन राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने उनकी राजनीतिक संबद्धता के कारण खारिज कर दिया था। मार्च 2024 में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के फैसले को रद्द कर दिया था, और साथ ही कोडंडाराम और खान को नामित करने के कैबिनेट के फैसले को भी अमान्य घोषित कर दिया था। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि उच्च न्यायालय के फैसले के बाद दोनों को शपथ नहीं दिलाई जानी चाहिए थी। अजहरुद्दीन का नामांकन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विधायक मगंती गोपीनाथ के निधन के बाद जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए उन्हें पहले कांग्रेस का संभावित उम्मीदवार माना जा रहा था। अजहरुद्दीन ने 2023 के विधानसभा चुनाव में इसी सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

तेलंगाना कैबिनेट ने मोहम्मद अजहरुद्दीन और प्रोफेसर एम. कोडंडाराम को विधान परिषद सदस्य के रूप में मनोनीत किया है, यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश और पिछली कानूनी चुनौतियों के बाद आया है। राज्यपाल कोटे के तहत हुए ये नामांकन, तेलंगाना की राजनीति में एमएलसी नियुक्तियों पर गहन कानूनी जांच और विवादों के इतिहास को दशार्ते हैं। यह घटनाक्रम तेलंगाना विधान परिषद के लिए एक नई राजनीतिक दिशा तय कर रहा है।

गृहमंत्री अमित शाह केवल बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने जम्मू-कश्मीर आ रहे हैं : उमर अब्दुल्ला

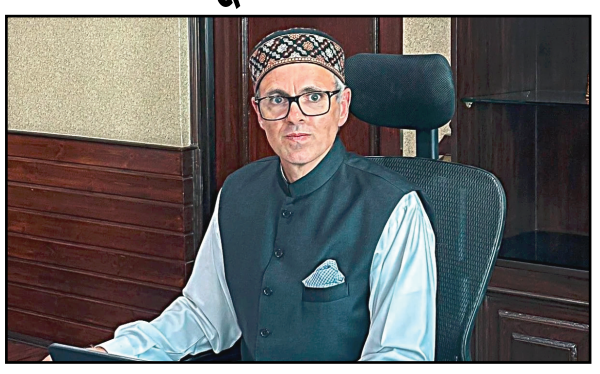

- मुख्यमंत्री ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर जमीनी स्थिति की समीक्षा करने के बाद उधमपुर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि वह राजभवन में बैठक के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री को एक विस्तृत रिपोर्ट देंगे।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस सप्ताह की शुरूआत में जम्मू-कश्मीर में बादल फटने और रिकॉर्ड बारिश के कारण आई अचानक बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को यह जानकारी दी। शाह का रविवार शाम दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचने और सोमवार को राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करने से पहले बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने का कार्यक्रम है। अधिकारियों के मुताबिक 14 अगस्त से अब तककिश्तवाड़, कठुआ, रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ के कारण 130 से अधिक लोग मारे गए और 120 से अधिक घायल हो गए, जबकि 33 लापता हैं। अब्दुल्ला ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्री केवल भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के बाद की स्थिति का आकलन करने और केंद्र से हमारी आवश्यकताओं (संकट से निपटने के लिए) को देखने के लिए यहां आ रहे हैं। उनका कोई अन्य उद्देश्य नहीं है और वह सुरक्षा या विकास की समीक्षा के लिए नहीं आ रहे हैं।

सम्पादकीय

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के शताब्दी संदेश से बहुत कुछ प्रेरणा ले सकती है भाजपा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जब भी कुछ बोलते हैं उसे बिना कुछ सोचे समझे देश की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से संबंधित मान लिया जाता रहा है। ऐसे में इस बार भी उन्होंने विज्ञान भवन में जो कुछ कहा है, उसे बीजेपी से ही जोड़कर देखा ही जाएगा। सर्वप्रथम, उनका यह कहना महत्वपूर्ण है कि हिंदू राष्ट्र का सत्ता से कोई लेना-देना नहीं', बल्कि इसके बड़े मायने हैं। ऐसे समय में जब देश में हिंदूवादी राजनीति अपने शिखर पर है, मोहन भागवत द्वारा दिया गया यह भाषण बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। वाकई जब वे कहते हैं कि हिंदू राष्ट्र शब्द का सत्ता से कोई मतलब नहीं है, तो इसके गहरे सियासी निहितार्थ हैं। क्योंकि प्रायः भाजपा सरकार पर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि वह इस विचारधारा को सत्ता पाने और उसमें बने रहने के औजार के रूप में इस्तेमाल करती है। कहना न होगा कि संघ बीजेपी को समय समय पर वैचारिक खुराक व प्रबुद्ध दिशानिर्देश देता रहा है। यही वजह है कि अपने तमाम मतभेदों के बावजूद संघ और बीजेपी एक बिंदु पर जाकर एक हो जाते हैं। ऐसे में स्पष्ट है कि भागवत का कथन सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, बल्कि संघ की मूल वैचारिक धारा की वह सहज और सरल अभिव्यक्ति है, जो देश में सत्तासीन बीजेपी नीत एनडीए सरकार के लिए एक माकूल दिशा का निर्धारण भी करता है। ऐसे में सीधा सवाल यह है कि संघ प्रमुख के इस बयान के मायने क्या हैं? क्या यह सीधे-सीधे वक्त-वेवक्त लीक से भटकती दिखाई देतीबीजेपी नेताओं को संदेश देता है? यूँ तो 21वीं सदी के महान किंगमेकर मोहन भागवत समय समय पर नीतिगत बातें स्पष्ट करते रहते हैं। ऐसे में उनका यह ताजा बयान भी ऐसे समय पर आया है जब इंडिया गठबंधन रूपी बिखरा विपक्ष भाजपा पर निरंतर यह आरोप मढ रहा है कि वह बहुसंख्यकवाद और ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे रही है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि उनकी दूरदर्शिता के बदौलत ही भाजपा लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्तासीन है। इसके अलावा कई अन्य राज्यों में भी उसके हाथ में सूबाई सत्ता की ताकत है। लिहाजा, संघ प्रमुख का यह कहना कि हिंदू राष्ट्र का अर्थ सत्ता से नहीं है, एक राजनीतिक संतुलन साधने की कवायद के रूप में भी देखा जा सकता है। इससे स्पष्ट होता है कि संघ अब बीजेपी को हिंदू राष्ट्र के मुद्दे को थोड़ा नरम करके चलने का संकेत देना चाहता हो। चूंकि परिवर्तन सृष्टि का शाश्वत नियम है। इसलिए संघ की सोच-समझ में समयानुसार नीतिगत सुधार अपेक्षित है। ऐसे में जो आरएसएस अपनी स्थापना के शुरूआती दिनों से ही हिंदू राष्ट्र की बात पर मुखर रहा है, वह भी नरम हो रहा है। बता दें कि सदाशिव गोलवलकर, जिन्हें गुरुजी कहा जाता है, ने इसे परिभाषित करते हुए कहा था कि भारत की आत्मा हिंदू है

आज का विचार

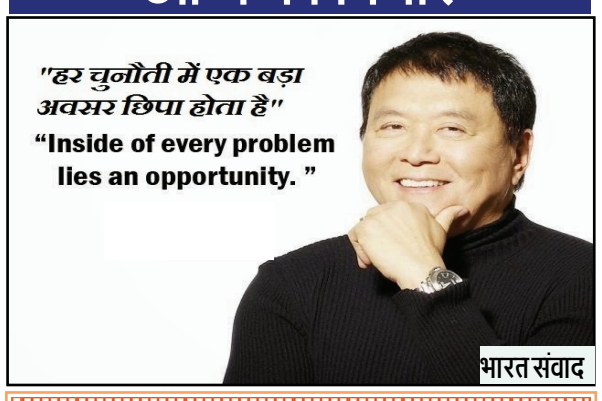

टैरिफ की चुनौतियों के बीच चीन से सहयोग की संभावनाएं

प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से अधिक दिलचस्पी लोगों को उनकी चीन यात्रा को लेकर है। प्रधानमंत्री मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने के लिए जापान के बाद वहां पहुंचे हैं। यह उनकी सात वर्षों बाद होने वाली चीन यात्रा है। भारत और चीन के संबंध 2020 में लद्दाख की गलवन घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच खूनी झड़प के बाद से बिगड़ गए थे।

पा अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद तेजी से बदले वैश्विक वातावरण में अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत से चिढ़कर जिस तरह सबसे अधिक 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया, उसका सामना करने के लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। उनकी जापान और चीन यात्रा को इसी सिलसिले में देखा जा रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की जापान और चीन यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है। इस पर पूरी दुनिया की निगाह है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर भी मनमाना टैरिफ लगाया था, लेकिन जब उसने प्रतिकार किया तो वे उसे कम करने और उससे वार्ता करने को बाध्य हुए। वे इसलिए भी बाध्य हुए, क्योंकि अमेरिका को अपनी अर्थव्यवस्था चलाने के लिए चीन की सख्त जरूरत है। अमेरिका ने टैरिफ के मामले में जापान से भी समझौता किया, पर वह खटाई में पड़ गया। जापान उन शर्तों को पूरा करने पर सहमत नहीं, जो ट्रंप ने उस पर लगाई थीं। एक शर्त के अनुसार जापान को अमेरिका में 550 अरब डालर का निवेश करना था। जापान इस निवेश को लेकर असमंजस में है। इन्हीं स्थितियों में जापान ने भारत में निवेश करने की एक बड़ी पहल की है। जापानी कंपनियों ने अगले 10 वर्षों में छह लाख करोड़ रुपये निवेश करने पर सहमति जताई है। यह सहमति भारतीय अर्थव्यवस्था को बल प्रदान करने वाली है। वैसे तो भारत और जापान के रिश्ते पहले से ही प्रगाढ़ रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि मौजूदा हालात में वे और अधिक मजबूत होने वाले हैं। प्रधानमंत्री की जापान यात्रा से अधिक दिलचस्पी लोगों को उनकी चीन यात्रा को लेकर है। प्रधानमंत्री मोदी चीन में शंघाई सहयोग संगठन में हिस्सा लेने के लिए जापान के बाद वहां पहुंचे हैं। यह उनकी सात वर्षों बाद होने वाली चीन यात्रा है। भारत और चीन के संबंध 2020 में लद्दाख की गलवन घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच खूनी झड़प के बाद से बिगड़ गए थे। हाल में वे कुछ सुधरे हैं। देखना यह है कि भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद इन संबंधों में कितना सुधार आता है? चीन भी अमेरिका के रवैये के कारण भारत से संबंध सुधारने का इच्छुक है। वह भारत से आर्थिक मोर्चे पर कुछ ऐसे समझौते चाहता है, जिससे अमेरिकी चुनौती का सामना किया जा सके। निश्चित रूप से भारत को भी इस समय चीन की जरूरत है। इसका एक कारण तो अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत विरोधी रवैया है और दूसरा, हमारे आर्थिक विकास में चीन का सहयोग महत्वपूर्ण होना है। भारत और चीन के रिश्ते आजादी के बाद से ही उलझे रहे हैं। इन संबंधों में उतार-चढ़ाव आता रहा है। चीन ने भारत के हिंदी-चीनी भाई-भाई नारे की आड़ में भारतीय हितों पर कई बार आघात किया है। 1962 के युद्ध के बाद वह हमारे एक भूभाग को दबाए बैठा है और अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा करता रहता है। पहले डोकलाम और फिर गलवन घाटी की घटना के बाद भारत में चीन के प्रति संदेह बढ़ा है। भारत चीन को एक विस्तारवादी देश मानता है। इस मान्यता के पीछे कुछ ठोस कारण हैं। वास्तव में उसकी विस्तारवादी नीति भारत के संदेह का एक बड़ा कारण है। इसके बाद भी इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के आर्थिक-व्यापारिक रिश्ते बहुत आगे बढ़े हैं। भारत का शायद ही कोई सेक्टर हो, जो चीनी सामग्री आयात न करता हो। इसी कारण भारत का आयात बिल बढ़ता जा रहा है। भारत और चीन के बीच व्यापार का पलड़ा चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारत तमाम प्रयासों के बाद भी चीन के साथ अपने व्यापार घाटे को कम नहीं कर पा रहा है। चीन भी इस दिशा में कुछ करने के लिए तैयार नहीं दिखता। उसका यह रवैया भी उसके प्रति संदेह को बढ़ाता है। जब-जब चीन के साथ रिश्ते खराब होते हैं, तब-तब देश में स्वदेशी की आवाज उठती है और कुछ लोगों एवं संगठनों की ओर से चीनी वस्तुओं के बहिष्कार की बातें भी की जाती हैं, लेकिन सच यही है कि स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की पहल ने कोई खास असर नहीं दिखाया है। कोविड महामारी के समय और फिर गलवन घाटी की घटना के बाद स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की बातें तो खूब की गईं, लेकिन बात बनी नहीं। अभी जब अमेरिका के साथ रिश्ते खराब हुए, तब प्रधानमंत्री मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, दोनों ने स्वदेशी की पक्षधरता की, लेकिन हमारे छोटे-बड़े उद्योगपति आनन-फानन स्वदेशी की राह पर चलने में सक्षम नहीं दिख रहे हैं। यह वह हकीकत है, जिसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। एक हकीकत यह भी है भारत में आवश्यक भारी मशीनों, रसायनों, उच्च तकनीक आदि की कमी है। इन सबकी आपूर्ति चीन से होती है। चीनी वस्तुओं पर भारत की निर्भरता और चीन के दुनिया का कारखाना बनने के पीछे कारण यह है कि वह विश्व के लिए आवश्यक तमाम सामग्री का बड़े पैमाने पर उत्पादन करता है। उसने गुणवत्ता के मामले में भी सुधार किया है और उसकी वस्तुएं सस्ती भी पड़ती हैं। उसने उच्च तकनीक भी हासिल कर ली है। यह वह एक और कारण है, जिसके चलते भारत के तमाम उद्योग चीन पर अपनी निर्भरता खत्म नहीं कर पा रहे हैं। भारत को अपने तेज आर्थिक विकास और आधारभूत ढांचे को बेहतर बनाने के लिए जिस तकनीक, सामग्री और आर्थिक सहयोग की आवश्यकता है, वह चीन उपलब्ध कराने में समर्थ है, लेकिन भारत उससे अधिकाधिक सहयोग तभी ले सकता है, जब दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हों। इसके लिए भारत को भी सक्रिय होना होगा और चीन को भी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बेतुके रवैये ने भारत को एक अवसर प्रदान किया है। भारतीय प्रधानमंत्री की चीन यात्रा को इसी अवसर को भुनाने के संदर्भ में देखा जा रहा है। जापान में भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों की साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि चीन इस साझेदारी के महत्व को समझ सके तो भारत के साथ-साथ उसे भी लाभ होगा। चीन के इरादों की थाह लेते हुए भारत की पहली प्राथमिकता अपने आर्थिक विकास को तेज गति देने की होनी चाहिए। इसलिए होनी चाहिए, क्योंकि भारत को आर्थिक विकास के मोर्चे पर अभी बहुत कुछ करना है।

राशिफल

मेष राशि : दिन कारोबार के मामले में अच्छा रहने वाला है और प्रॉपर्टी से संबंधित क्षेत्रों में उत्तम लाभ मिलने के योग हैं। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। राजनीतिक क्षेत्र में भी लाभ मिलने के योग हैं और शासन द्वारा सम्मानित किया जा सकता है। साथ ही, आपकी लोकप्रियता में भी वृद्धि होगी और परिवार का आशीर्वाद बना रहेगा।

वृषभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपको विरोधियों से सावधान रहना होगा और कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर रहेगा। हालांकि, जरूरी कार्यों को आप अपनी क्षमता और बुद्धिमानी से पूरा कर लेंगे। व्यापार के क्षेत्र में कामकाज के सिलसिले में यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

मिथुन राशि: आर्थिक मामलों में दिन अच्छा रहने वाला है और अगर आपका धन लंबे समय से कहीं फंसा हुआ था, तो वह अब वापस मिल सकता है। साथ ही, धन लाभ के भी शुभ योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में बुद्धि और विवेक के साथ लिए गए निर्णयों से उत्तम लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क राशि: कार्यक्षेत्र में आपको कार्यों को सफल बनाने के लिए अधिक मेहनत और प्रयास करने पड़ सकते हैं। गंभीरता से हर काम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। वहीं, भौतिक सुख के साधनों पर धन अधिक खर्च हो सकता है।

सिंह राशि: कार्यक्षेत्र में आपको आत्मविश्वास के साथ कोई भी कार्य करना होगा। प्रयासों और कड़ी मेहनत से आपको हर कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। अगर कार्यस्थल पर लंबे समय से आपके काम बीच में रुके हुए थे तो अब वे पूरे हो सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको थोड़ा खर्च भी करना पड़ सकता है।

कन्या राशि : आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा, जिससे काम आसान होंगे। कार्यक्षेत्र में कार्य कुशलता से उत्तम लाभ प्राप्त होगा। साथ ही, आपको अपने हर काम में सफलता प्राप्त होगी।

तुला राशि : शिक्षा के क्षेत्र में मिलेगी सफलताविद्यार्थियों की शिक्षा के क्षेत्र में रुचि बढ़ेगी और आपको इस दिशा में कुछ परिवर्तन देखने को भी मिल सकते हैं। नए काम सीखने की कोशिश कर सकते हैं, जिसमें सफलता भी प्राप्त होगी।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में हर काम धैर्य और बुद्धिमानी के साथ करने से आप हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं। साथ ही, विरोधी भी परास्त रहेंगे। लेकिन आर्थिक मामलों में खर्चे अधिक बढ़ने की संभावना बनी हुई है। आप दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का भी प्लान बना सकते हैं

धनु राशि : विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और बुद्धि-ज्ञान में भी वृद्धि होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में कठिन प्रयास और मेहनत करने से आपकी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि : आपको अपने बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद और सहयोग के चलते धन लाभ होने की संभावना है। लेकिन कार्यस्थल पर आपको किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक सलाह देने से बचना होगा, अन्यथा परेशानी खड़ी हो सकती है।

कुंभ राशि : दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है और आमदनी बढ़ाने के लिए किए प्रयास सफल रहेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी और श्रेष्ठ मार्गों से धन प्राप्त हो सकता है। भाग्य का भी आपको पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आपको हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और मित्रों का सहयोग मिलने से संतुष्टि महसूस होगी। आपके कुछ नए मित्र भी बन सकते हैं।

मीन राशि : आपकी संपत्ति में वृद्धि होने के योग हैं और ननिहाल पक्ष से भी मान-सम्मान प्राप्त होगा। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। लेकिन नौकरी करने वालों को विरोधियों से सावधान रहना होगा, क्योंकि वे आपके खिलाफ कोई प्लान बना सकते हैं। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी होगा। हालांकि, परिवार में जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और जीवन में खुशियां आएंगी।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

अर्थतंत्र की ताकत और विज्ञान की भूमिका राष्ट्र के विकास के लिए सर्वोपरि

संजीव ठाकुर

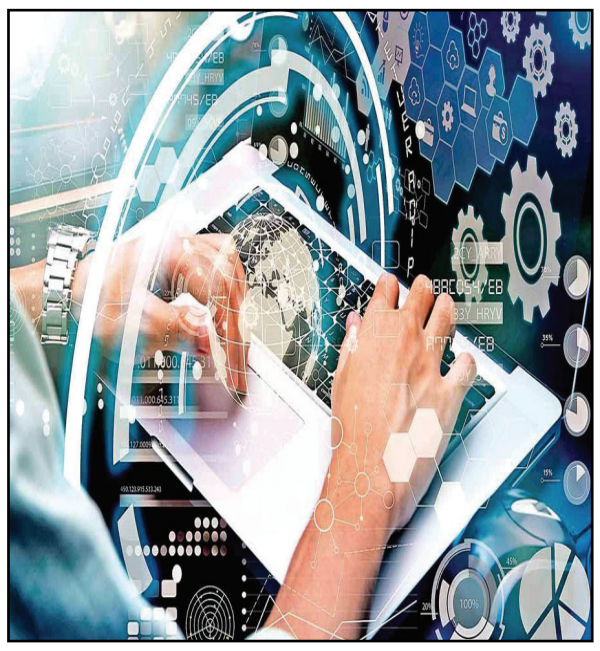

वर्तमान समय में वैश्विक प्रगति और आर्थिक स्त्रोत तंत्र के लिए आधुनिक तथा वैज्ञानिक शिक्षा जरूर अत्यंत आवश्यक है। हमे केवल आधुनिक विचारधारा शिक्षा पद्धति पर निर्भर न रहकर अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और सनातन संस्कृति के धरातल से जुड़ना होगा। तब जाकर सनातनी सांस्कृतिक,विचारधारा एवं आधुनिक वैज्ञानिक शिक्षा पद्धति का संतुलन यथोचित तरीके से हो पाएगा। भारत का सांस्कृतिक, सनातनी, वैदिक इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है। वेदों पुराणों और सनातनीं संस्कारों में इतनी शक्ति है कि भारतीय संस्कृति अनंत काल तक कभी नष्ट नहीं हो सकती है। भारतीय संस्कृति का लचीलापन एवं व्यापक ग्राह्यता इतनी विशाल है कि इस सभ्यता ने कई सभ्यताओं को अपने में समाहित कर एक विशाल धर्मनिरपेक्ष वातावरण तैयार किया है और वट वृक्ष की तरह अपनी शाखाएं वैश्विक स्तर पर प्रचारित, प्रसारित की है। यह वैदिक अध्यात्म योग और संस्कृति का ही प्रतिफल है कि भारत के नागरिक विश्व में चहुंओर निवास कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि भारत को अपनी संस्कृति आध्यात्मिक तथा संस्कारों के आत्म बल के दम पर विश्व का नेतृत्व करना होगा एवं विश्व गुरु बनने की प्रक्रिया में नए नए सोपान निर्मित करने होंगे। प्रारंभ से ही शांति तथा मानवता को लेकर भारत में अपनी विकास यात्रा प्रारंभ की है आध्यात्मिक चिंतन और सनातनी इतिहास इस बात का गवाह है कि भारत विश्व शांति की बहाली के लिए विश्व को मार्गदर्शन देने का हौसला तथा क्षमता दोनों रखता है। अब यह समय आ चुका है कि भारत को विश्व का मार्गदर्शी प्रणेता बन जाना चाहिए। जिंदगी का कैनवास जन्म से लेकर मृत्यु तक समुद्र की तरह विराट और गहराई लिए हुए होता है। जीवन में वयक्तिक, पारिवारिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक विकास की संभावनाओं के साथ मनुष्य अपना जीवन प्रारंभ कर विकास तथा ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। बशर्ते उसके व्यक्तित्व में जीवन के प्रति जीजिविषा, संघर्ष करने की क्षमता, आत्म विश्वासके घटक मौजूद हों। ऐतिहासिक तौर पर भारतीय विकास की सांस्कृतिक संरचना एवं संस्कार के मूलभूत तत्वों को लेकर दुनिया में अभूतपूर्व रही है। वैसे भी भारतवर्ष सभ्यता से लेकर संस्कृति के मामले में वैभवशाली इतिहास को समेटे हुए हैं। विकास और प्रगति के सोपान को एक दिन, वर्ष या दशक में रेखांकित नहीं किया जा सकता, यह एक निरंतर, सतत एवं समय के साथ चलने वाली क्रिया की प्रतिक्रिया है। प्रकृति सभ्यता तथा मानव जीवन में परिवर्तन एक अकाट्य सत्य और शाश्वत अभिक्रिया है। व्यक्ति के जीवन तथा समाज या देश में विकास के संदर्भ में एवं घटकों को प्रारंभ से आदमी का धन उपार्जन, गरीबी भुखमरी से लड़ाई भूतकाल की कुरीतियों की विडंबना से संघर्ष का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। किसी भी राष्ट्र के राजा, सम्राट या राष्ट्र प्रमुख की अपनी क्षमता ,शक्ति, ऊर्जा और उसके विवेक से उस राष्ट्र की प्रगति विशाल या न्यूनतम होती देखी गई है। भूतकाल में कई संघर्षशील एवं उत्साह से लबरेज यात्रियों के वृतांत हमारी नजरों में आए हैं यथा कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे अत्यंत ऊजार्वान संघर्षशील और साहसिक यात्रियों द्वारा लगभग नामुमकिन रास्तों की खोज कर एक मिसाल कायम की है। नेपोलियन का एक बड़ा सूत्र वाक्य था कुछ भी असंभव नहीं है। बिस्मार्क जर्मनी के एक ऐसे सम्राट रहे हैं जिनके बारे में कहा जाता है की उनके हाथों में दो गेंद तथा 3 गेंदें हवा में होती थी, यूरोप का जादूगर भी कहलाता था, पूर्व से ही समुद्रगुप्त ,कनिष्क, सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, शेरशाह सूरी जैसे शासकों का अदम्य आत्मविश्वास एवं संघर्ष करने की क्षमता के फल स्वरुप भी भारत आज इस स्वरूप में विद्यमान है। अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से भी किसी भी राष्ट्र में सदैव विकास वैभव और आर्थिक तंत्र को मजबूत करने की संभावनाएं अवस्थित रहती हैं। भारत की विशाल जनसंख्या को देखते हुए भारत में गरीबी, भुखमरी ,बाढ़ तथा अन्य विभीषिका सदैव आती जाती रहती हैं। विशाल जनसंख्या के होने के कारण भारत में ही भारत की बड़ी जनसंख्या गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही है और केवल भारत के कुछ नागरिकों को ही सारी जीवन की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, बाकी लोग इन सुविधाओं से वंचित भी हैं। हमारा देश स्वतंत्रता के बाद से ही आवाज की कमी भूख गरीबी भ्रष्टाचार काला धन हवाला कुपोषण बेरोजगारी की बड़ी समस्याओं से जूझ रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या के बावजूद ऐतिहासिक तौर पर देश सांस्कृतिक वैचारिक और संस्कारी ग्रुप से सदैव समृद्ध रहा है और धार्मिक रूप से भी देश में ज्ञान की जड़े बहुत गहराई तक हैं। भारत को आध्यात्मिक रूप से समृद्ध करने के लिए वेद, पुराण, उपनिषद, गीता ,रामायण ,महाभारत महा ग्रंथों की पृष्ठभूमि बड़ी ही शक्तिशाली है। भारत में अनेक विदेशी आक्रमणों को झेल कर उन्हें आत्मसात किया है किंतु हमारी संस्कृत पाली एवं प्राकृत भाषा अन्य भाषाओं के साथ आज भी समृद्ध है। भारत में अनेक भाषा क्षेत्र एवं बोलियां हैं किंतु हिंदी, पंजाबी, गुजराती, बांग्ला, मराठी ,असमिया भाषाएं उसी तरह पल्लवित पुष्पित हो रही हैं जैसे की संस्कृत और प्राकृत पाली भाषा होती रही है। देश के नागरिकों की भौतिकवादी सुविधा के लिए भी हमने वतानुकुलित यंत्र ,वायुयान तेज चलने वाली ट्रेनें और वायुमंडल में अनेक ऐसे तथ्यों को जो आज तक छुपे हुए थे उजागर कर अपने महत्व के लिए इसका उपयोग करना शुरू किया है। यह कहावत आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और आकाश का कोई अंत नहीं यानी मनुष्य की इच्छाओं का कोई अंत नहीं है मनुष्य पर सही प्रतीत होती है इसी तरह प्रगति और विकास का भी कोई अंत या अनंत नहीं है। भारत देश में वैश्विक स्तर पर राजनैतिक सामाजिक वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक स्तर पर काफी प्रगति की एवं विश्व में योग अध्यात्म दर्शन का लोहा भी मनवाया है। मनुष्य की अभिलाषा का कोई निश्चित लक्ष्य नहीं है, मनुष्य मूल रूप से अत्यंत महत्वकांक्षी,लोलुप एवं इच्छाओं का दास हुआ करता ह।

गाइए गणपति जगवंदन, शंकर सुवन भवानी के नंदन

(पवन वर्मा)

हमारे लोकजीवन, लोकाचार और लोकसाहित्य में गणेशजी को मंगलदाता एवं विघ्न-विनाशक के रूप में स्मरण किया जाता है। मंगलमूर्ति गणेशजी हमारे लोकजीवन में पूर्णरूप से रमे हुए हैं। सर्वपूज्य, परम पूज्य और कुशलता के प्रतीक हैं। वे समस्त ऋद्धियों और सिद्धियों के दाता हैं। मोदकप्रिय होने से उन्हें 'मोदकप्रिय मुद मंगलदाता' कहा गया है। लोकजीवन में गणेशजी इतने समाविष्ट हैं कि हम कोई भी कार्य को प्रारंभ करने के लिए 'श्री गणेश कीजिये' कहते हैं। 'श्री गणेश करना' एक मुहावरा बन गया है। यात्रा पर जाते समय 'जय सिद्धि गणेश' कहते हैं और गणेशजी हमारी यात्रा मंगलमय करते हैं। गृहप्रवेश, विद्या आरंभ करते समय गणेशजी का स्मरण, पूजन और अर्चना की जाती है, उनकी स्थापना की जाती है। ऐसा लोकविश्वास है कि गणेशजी की पूजा करने से हमारी समस्त विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं। अतः अनेक शुभकारी नामों को धारण करने वाले गजानन गणेश के पूजन की परम्परा भारतीय लोकजीवन में सनातन और अखंड है। समाज में, परिवार में या मंदिरों में उनकी पूजा-अर्चना को मांगलिकता का प्रतीक माना जाता है। यह लोकमान्यता है कि वह शीघ्र शुभ फलदाता देवता हैं और उनके दर्शन मात्र से मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। अतः पर्वो, समारोहों, सहभोजों, यात्रागमन आदि अवसरों पर प्रथम पूज्य गणेशजी की पूजा-अर्चना की जाती है। यद्यपि दीपावली पर लक्ष्मीजी की पूजा का विधान है, लेकिन शुभ और लाभ के दाता तो गणेशजी ही हैं, अतः लक्ष्मीजी के साथ गणेशजी की मूर्ति मिलती है तथा युगलमूर्ति की पूजा की जाती है। संस्कार समारोहों में जहां माता गौरी की स्थापना की जाती है, वहीं जलभरे कलश या मंगल कलश में गणेशजी की प्रतिमा रखी जाती है। यह प्रतिमा मिट्टी या गौ के गोबर से बनायी जाती है। इस प्रकार गौरी-गणेश पूजन के बाद ही मंगल कार्य सम्पन्न किया जाता है। विद्या आरंभ करते समय बालक से 'श्री गणेशाय नमः' लिखवाया जाता है। सेठ-साहूकार अपने बहीखातों में भी प्रारंभ में 'श्री गणेशाय नमः' लिखते हैं।

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी पावन पर्व गणेश चतुर्थी के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश में उसे 'बहुल चौथ' के रूप में मनाया जाता है। अवधी भाषा में बहुरा या बहुला का अभिप्रायः 'गया हुआ' होता है, अर्थात जिसके आने की उम्मीद न हो। गणेशजी की उत्पत्ति भी इसी प्रकार हुई थी। उनका सिर कट गया था और फिर हाथी का सिर लगाये जाने पर पुनर्जीवित हुए। लोकमानस ने इस पर्व का नाम इस प्रकार रखकर गणेश जन्म के पौराणिक तथ्य को सहजता से निरूपित किया है। स्कंदपुराण में श्रीकृष्ण-युधिष्ठिर संवाद के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी की विशेष महिमा है। उस दिन की आराधना से गणेशजी अपने आराधकों के समस्त कार्यकलापों में सिद्धि प्रदान करते हैं। अतः उनका नाम 'सिद्धि-विनायक' हो गया है-

सिद्धियन्ति सर्व कार्याणि मनसा चिन्तितान्यपि।
तेन ख्याति गतो लोके, नाम्ना सिद्धि विनायक॥

महात्मा तुलसीदास जी कृत गणेश स्तुति तो समस्त जनजीवन में व्याप्त है।

गाइए गणपति जगवंदन, शंकर सुवन भवानी के नंदन।
सिद्धि सदन गजवदन विनायक, कृपा सिन्धु सुंदर सब लायक।

गणेशजी पांच तत्वों से समन्वित रूप हैं। ये पांच तत्व हैं- पराक्रम, आनंद, बुद्धि, कृषि और व्यवसाय। नेतृत्व के गुणों के कारण उन्हें गणपति, गणाधिपति, गणधिप, गणेश आदि नामों से पुकारा जाता है। उनका दूसरा रूप विघ्नहर्ता और मंगलदाता है। वे बुद्धि के निधान और पराक्रम के पुंज हैं।

गृह मंत्री का अपमान हर भारतीय का अपमान हैः नन्दी

- अपनी घिनौनी भाषा के लिए पूरे देश से माफी मांगें महुआ मोइत्रा
- गृह मंत्री पर टिप्पणी का किया विरोध

भारत संवाद

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा की गई अभद्र टिप्पणी का उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कड़ा विरोध किया है। मंत्री नन्दी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि गृह मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा की न केवल दूषित मानसिकता को उजागर करती है बल्कि यह टी.एम.सी के राजनीतिक पतन और घृणास्पद आचरण का स्पष्ट उदाहरण भी है। महुआ मोइत्रा की टिप्पणी से लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान हुआ है और ऐसा बयान समाज में नफरत फैलाने वाला है. साथ ही, इस तरह की भाषा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए भी खतरा बन सकती है। मंत्री नन्दी ने कहा कि जब राजनीति में तर्क और गंभीर विचार समाप्त हो जाते हैं तो विपक्ष इस तरह की अभद्र भाषा और असंसदीय शब्दों का सहारा लेता है। गृह मंत्री का अपमान केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं बल्कि यह हर भारतीय का अपमान है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद को अपनी घिनौनी भाषा के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि यह राजनीति नहीं बल्कि अविवेक और असंवेदनशीलता का प्रतीक है।

माननीय मंत्री जी ने विधान सभा शहर दक्षिणी के लिए नवचयनित 40 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र का किया वितरण

मंत्री जी ने नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए ईमानदारी व सत्यनिष्ठा से कार्य करने के लिए किया प्रेरित

- सरकार पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के विकास के लिए कर रही है कार्य-माननीय मंत्री

भारत संवाद

मंत्री, आद्योगिक विकास, निर्यात पोत्साहन, एन0आर0आई0, निवेश प्रोत्साहन, उत्तर प्रदेश सरकार श्री नन्द गोपाल गुप्ता (नन्दी) जी के कर-कमलों द्वारा रविवार को बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के अंतर्गत जनपद प्रयागराज में कुल 452 चयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों मे से विधान सभा शहर दक्षिणी में नवचयनित 40 अभ्यर्थिनियों को विकास भवन प्रयागराज के सभागार में नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। माननीय मंत्री जी के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विधान सभा शहर दक्षिणी में नवचयनित 40 अभ्यर्थिनियों में बाल विकास परियोजना शहर प्रथम से 18, बाल विकास परियोजना, शहर द्वितीय से 12 एवं बाल विकास परियोजना चाका से 10 नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सम्मिलित है। मंत्री जी द्वारा नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए ईमानदारी/ सत्यनिष्ठा से कार्य करने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि कोई भी कार्य बडा.या छोटा नही होता कार्य करने की लगन से छोटे कार्य से भी ऊँचाईयों तक पहुंचा जा सकता है। प्रदेश सरकार द्वारा आंगनबाड़ी चयन को ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष बना कर किया गया है, जिसमें बिना भेदभाव के सभी लोगों को समानता के साथ अवसर हमारी सरकार में सुलभ हो रहा है, जो कि सब का साथ, सब का विकास, सब का विश्वास की हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को चरितार्थ करता है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार ने आंगनबाड़ी केंद्रों के आधुनिकीकरण के साथ ही संसाधन युक्त बनाने के अभियान को विशेष प्राथमिकता दी है। आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक बनाने की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत स्मार्ट टीवी, वाटर आरओ, पोषण वाटिका की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के उज्जवल भविष्य की नीव रखते हैं। यह न केवल बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाते हैं बल्कि महिलाओं को भी सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों के समग्र विकास हेतु प्रतिबद्ध है।

फास्ट ट्रैक

थाना लालगंज पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित वाछिंत अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना लालगंज जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 31.08.2025 को वादी रोहित यादव पुत्र प्रेम यादव निवासी बथुआ थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर (हालपता- लहंगपुर थाना लालगंज जनपद मीरजापुर) द्वारा अज्ञात अभियुक्त के विरूद्ध वादी की दुकान से गहने चुराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-298/2025 धारा 324(2),305 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में थाना प्रभारी लालगंज को निर्देश दिये गये । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 31.08.2025 को उप निरीक्षक विजय कुमार राय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से घटना से संबंधित प्रकाश में आये अभियुक्त मनीष पटेल पुत्र कल्याण पटेल निवासी ग्राम संजय नगर कालोनी लालपुर पाण्डेयपुर जनपद वाराणसी को गिरफ्तार किया गया । थाना लालगंज पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना ड्रमण्डगंज पुलिस द्वारा दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित 01 बालअपचारी गिरफ्तार/हिरासत

भारत संवाद

थाना ड्रमण्डगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 30.08.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के वादिनी की नाबालिक पुत्री के साथ दुष्कर्म के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गयी । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ड्रमण्डगंज मु0अ0सं0-126/2025 धारा 64(2)(डी), 351(3),352 बीएनएस व 5एम/6 पाक्सो एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष ड्रमण्डगंज को अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना ड्रमण्डगंज पर पंजीकृत मुकदमें में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 31.08.2025 को थानाध्यक्ष ब्रह्मदीन पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना ड्रमण्डगंज क्षेत्र से बाल अपचारी को हिरासत में लेकर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/ बाल किशोर गृह भेजा गया ।

थाना जमालपुर पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थान पर जीत-हार की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 03 जुआरी गिरफ्तार; मौके से 4380/-नगद व 52 ताश के पत्ते बरामद

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की धरपकड़ एवं जुआरियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में अभियान चलाकर कार्यवाही करने हेतु समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देशित किया गया है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 31.08.2025 को उप-निरीक्षक आशीष कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना जमालपुर क्षेत्र में दबिश देकर सार्वजनिक स्थान पर जीत-हार की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 03 जुआरियों 1. अखिलेश कुमार सिंह पुत्र रामवृक्ष सिंह निवासी जिनोदपुर थाना जमलापुर जनपद मीरजापुर, 2. ओम प्रकाश प्रजापति पुत्र पंचम प्रजापति निवासी बहादुरपुर थान जमालपुर जनपद मीरजापुर व 3. मनोज कुमार सिंह पुत्र स्व0 हरिगेन सिंह निवासी भोकरौध थाना जमालपुर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।

प्रयागराज छिवकी - मानिकपुर खंड में चला चेकिंग अभियान

भारत संवाद

प्रयागराज मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करने के लिए मंडल रेल प्रबंधक/ प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के निर्देशन में विविध अभियान चलता रहता है । प्रयागराज मण्डल सभी यात्रियों को उत्तम भोजन, शुद्ध पेय जल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ टिकट रहित और अनियमित यात्रा करने वालो पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में टिकट चेकिंग अभियान चलाता रहता है । दिनांक 30.08.2025 को वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला के निर्देशन एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक, श्री दिनेश कुमार के सुपरविजन में प्रयागराज छिवकी - मानिकपुर खंड में अनाधिकृत यात्रियों, गैर अनुमोदित खाद्य पदार्थ, अवैध वेंडरों और स्टालों पर ओवर चार्जिंग, स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं की जांच के लिए अभियान चलाया गया । इस जांच अभियान में प्रयागराज छिवकी स्टेशन - मानिकपुर खंड के मध्य ताप्ती एक्सप्रेस 19045, बरौनी एक्सप्रेस 19484, जनता एक्सप्रेस 13201 एवं 13202 जनता एक्सप्रेस को चेक कराया गया । इस दौरान प्लेटफार्मों पर भी सघन जांच करायी गयी । इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, श्री ओम प्रकाश; मुख्य टिकट निरीक्षक नैनी, श्री अनुराग कपूर; मुख्य टिकट निरीक्षक/प्रयागराज छिवकी, श्री राकेश चौधरी अन्य 4 टिकट चेकिंग स्टाफ शामिल रहे । इस अभियान में कुल 77 यात्रियों से अनधिकृत यात्रा / अनियमित यात्रा / स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने के लिए में 42600/- रुपये जुमार्ना वसूल किया गया । टिकट चेकिंग की कार्यवाही से यात्री टिकट लेकर यात्रा करते हैं, जैसे रेल राजस्व में भी वृद्धि होती है । गाड़ी संख्या 13201 में अनधिकृत रूप से खिलौने एवं मोबाइल एसेसरीज बेच रहे दो युवकों को पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल/शंकरगढ़ को अग्रिम कार्यवाही हेतु सौंपा गया । इस दौरान गाड़ियों के पैंट्रीकार एवं कोच में साफ सफाई सहित सुविधाओं को भी चेक किया गया । इस अभियान में यात्रियों से खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता पर भी फीडबैक लिया गया । वेंडरों एवं प्रबंधकों को सफाई एवं सामानों की गुणवत्ता के प्रति काउंसिल भी किया गया इसी क्रम में डभौरा स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया । प्रयागराज मंडल में इस तरह की कार्यवाही आगे भी निरंतर जारी रहेगी क रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएँ, कूड़ा कूड़ेदान में ही डाले तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है

राष्ट्रीय खेल दिवस पर लखनऊ में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता, अलीगढ़ की बालिकाओं ने बढ़ाया मान

भारत संवाद

लखनऊ, 28-29 अगस्त। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में विज्ञान फाउंडेशन के तत्वावधान में खुन खुन जी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, सखी वन स्टॉप सेंटर, मिनिस्ट्री ऑफ वुमन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल के संयुक्त सहयोग से राजधानी लखनऊ में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अलीगढ़ जनपद के इगलास ब्लॉक की बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य किशोरियों में खेलों के प्रति रुचि जगाना, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास करना था। इस आयोजन में लखनऊ के छह प्रमुख कॉलेज–खुन खुन जी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, नारी शिक्षा निकेतन पी.जी. कॉलेज, अवध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, ए.पी. सेन मेमोरियल गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कॉलेज और गुरु नानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज–ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री सुश्री रजनी तिवारी ने किया। उन्होंने कहा, खेल हमें शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाते हैं। इस तरह के आयोजन किशोरियों को एक सशक्त मंच प्रदान करते हैं, जहां वे अपनी प्रतिभा को निखार सकती हैं। राज्य सरकार सदैव ऐसी पहलों को प्रोत्साहित करती रही है। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की पूर्व सदस्या सुश्री सुचिता चतुर्वेदी भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि यह पहल बालिकाओं के आत्मविकास और सामाजिक सहभागिता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पहले दिन की प्रतियोगिताओं में रेस, लॉन्ग जंप, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट और कैरम जैसे खेलों में प्रतिभागी बालिकाओं ने बेहतरीन प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। सिविल डिफेंस प्रतिनिधि श्री मनोज कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन बालिकाओं को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की दिशा में सराहनीय हैं। सखी वन स्टॉप सेंटर की सुश्री प्रभा वैश्य ने कहा, यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश है जो बेटियों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस देता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर खुन खुन जी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज की प्राचार्या डॉ. अंशु केडिया ने कहा, हमारे कॉलेज परिसर में बेटियों की ऊर्जा और आत्मविश्वास देखने योग्य था। इस प्रतियोगिता ने यह साबित कर दिया कि हमारी बेटियाँ किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। प्रतियोगिता का यह आयोजन न केवल खेल भावना का प्रतीक बना, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि बेटियाँ अवसर मिलने पर हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकती हैं।

असम के गुरुद्वारा धुबड़ी साहिब से दिव्य-भव्य शोभा यात्रा का प्रयागराज पहुंचने पर दिव्य-भव्य ऐतिहासिक स्वागत हुआ

पुष्प वर्षा व गुरु के जयकारों से प्रयागराज का वातावरण गुरुमय हुआ।

भारत संवाद

प्रयागराज / मानवता की रक्षा के लिए शहीद होने वाले,हिंद की चादर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर महाराज जी की शहीदी के 350वें शहीदी दिवस पर महान अंतरराष्ट्रीय दिव्य-भव्य शोभा यात्रा पच प्यारों की अगुवाई में साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी व गुरुजी के पुरातन अस्त्र शास्त्र से सुशोभित आसाम राज्य के गुरुद्वारा धुबड़ी से प्रारंभ होकर देश के विभिन्न प्रांतों से होते हुए रविवार झूसी मार्ग से होते हुए शहर प्रयागराज में आ रही है । जहां सर्व समाज के लोगों ने बोले सो निहाल,सत श्री अकाल के जयकारों व पुष्पवर्षा से स्वागत वन्दन अभिनंदन किया इस अवसर पर मनजीत सिंह, परमजीत सिंह बग्गा,सरदार पतविंदर सिंह,दिलजीत सिंह, हरमनजी सिंह परमिंदर सिंह बंटी, सुरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में महिलाएं,बच्चे,पुरुष सभी बोले सो निहाल,सत श्री अकाल के जयकारों लगा रहे थे जिस से प्रयागराज का वातावरण गुरु में हो गया।

गृहकर एवं जलकर करे जमा 30 सितम्बर 2025 तक 10 प्रतिशत की विशेष छूट के साथ

भारत संवाद

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज सीमान्तर्गत निवासित समस्त भवन स्वामी/अध्यासियों/गृहकरदाताओं से अपील की जाती है कि प्रयागराज नगर निगम द्वारा प्रेषित किये जा रहे गृहकर एवं जलकर बिलों के सापेक्ष नगर निगम की अधिकारिक वेबसाइट-www.allahabdmc.gov.in के माध्यम से जानकारी प्राप्त करे एवं अपने आवासीय भवनों/व्यासायिक प्रतिष्ठानों/सरकारी भवनों/अर्ध सरकारी भवनों के गृहकर एवं जलकर का भुगतान नकद/चेक/ऑनलाइन/आर0टी0जी0एस0 (RTGS),पोस मशीन, दफ कोड अथवा प्रयागराज नगर निगम के जोनल कार्यालयों एवं नगर निगम मुख्यालय अथवा नगर निगम के राजस्व निरीक्षकों वसूलीं स्टाफ के माध्यम से जमा कर वर्त्तमान गृहकर/जलकर पर उपरोक्त अनुमन्य 10 प्रतिशत की छूट का लाभ दिनांक- 30 सितम्बर 2025 तक प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में भवन स्वामी अपने गृहकर एवं जलकर के वर्तमान कर पर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ दिनांक 30 सितम्बर 2025 तक Net banking/credit card/debit card/upi/google pay/paytem अथवा अधिकारिक वेबसाइट-www.allahabdmc.gov.in के माध्यम से घर बैठे भुगतान कर सकते है। नगद/चेक द्वारा भुगतान हेतु मुख्यालय/जोन कार्यालय व विभागीय राजस्व निरीक्षक/कर सम्हाताओं से सम्पर्क कर सकते है या मुख्यालय के नागरिक सुविधा केंद्र में गृहकर एवं जलकर का भुगतान कर सकते है। जनमानस द्वारा नागरिक सुविधा केन्द्र मुख्यालय नगर निगम प्रयागराज, पर गृहकर/जलकर से सम्बंधित शिकायतों को भी दर्ज किया जाता है।

बी एस एस एकेडमी के छात्र चित्रांश शुक्ला, आदित्य पटवा और हंजलाह असदुल्लाह ने चौथे राष्ट्रीय समुराई प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीत कर प्रतापगढ़ का नाम किया रोशन

भारत संवाद

बी एस एस एकेडमी, फुलवारी, प्रतापगढ़ के होनहार छात्रों चित्रांश शुक्ला, आदित्य पटवा और हंजलाह असदुल्लाह ने मध्य प्रदेश के जबलपुर जनपद स्थित पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में चौथी राष्ट्रीय समुराई प्रतियोगिता 2025 में सिल्वर मेडल प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता आल इंडिया समुराई फेडेरेशन द्वारा 29 और 30 अगस्त, 2025 को आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात एवं बिहार सहित कुल आठ राज्यों के 170 खिलाडियों ने प्रतिभाग किया। विद्यालय निदेशक विनोद सिंह, मैनेजर धर्मेंद्र सिंह और प्रधानाचार्य अवधेश प्रताप सिंह ने छात्रों के शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी और साथ ही प्रशिक्षक राम सिंह, खेल शिक्षक संजय सिंह, दिव्या साहू के सफल मार्गदर्शन की सराहना की।

साइकिल रैली प्रतियोगिता

रैली को मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री ने हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

हाकी के जादूगर मेजर ध्यान चन्द की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता के समापन के अवसर ऑन सण्डे एण्ड साइकिल रैली प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

भारत संवाद

- भारत सरकार पूरे देश के अंदर खेल संस्कृति को दे रही हैं बढ़ावा -मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री
- खेल हमें सिर्फ जीतना ही नहीं बल्कि शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहना भी हैं सिखाते
- मेजर ध्यान चन्द जी के खेलो के प्रति समर्पण भाव से हमारे युवा ले प्रेरणा -जिलाधिकारी

मीरजापुर ,मेजर ध्यानचन्द जी के जन्मदिवस (29 अगस्त) के उपलक्ष्य में शासन के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर जनपद में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिता के तीसरे व समापन दिवस के अवसर साइकिल रैली का आयोजन किया गया। साइकिल रैली को मा0 केंद्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं रसायन उर्वरक श्रीमती अनुप्रिया पटेल, मा0 विधायक छानबे श्रीमती रिंकी कोल, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने मेजर ध्यानचन्द जी प्रतिमा पर मार्ल्यापण कर व हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। साईकिल रैली में लगभग 250 खिलाड़ियों ने भाग लिया। रैली स्टेडियम से प्रारम्भ होकर पीएसी गेट पर समाप्त हुई। रैली में प्रतिभाग करने वाले सभी खिलाड़ियों को कैप देकर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। इस अवसर मा0 केंद्रीय राज्य मंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं रसायन उर्वरक श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के 120वीं जयंती अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेजय ध्यानचन्द जी जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में घोषित है उसके तहत आयोजित संडे ऑन साइकिल के तहत उपस्थित खिलाड़ियों को बहुत ढेरों बधाई। उन्होंने कहा कि देश में पिछले 11 वर्षों से मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी नेतृत्व वाली सरकार में पूरे देश के अंदर खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ ही अनेक प्रभावी कदम उठाए हैं देश के अंदर हर आयु वर्ग का व्यक्ति फिर चाहे वह बच्चे, नौजवान व बुजुर्ग हो सभी के फिटनेस के लिए किसी न किसी खेल की गतिविधि में अपने आप को शामिल करें। मा0 केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह हमारी कोशिश है और यहां पर उपस्थित छोटे बच्चे हैं वह सभी खेलों के प्रति रुचि लें यह हमारा प्रयास है। उन्होंने कहा कि हमने खेलों के वातावरण को संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए तमाम नए कार्यक्रम नई योजनाएं संचालित की, भारत सरकार खेल और युवा कल्याण मंत्रालय जानती है कि हमारे खिलाड़ियों के अंदर बहुत प्रतिभा है परंतु सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ियों को जिस तरह के प्रोत्साहन की उन्हें आवश्यकता थी, हमने प्रयास किया खिलाड़ियों को जो भी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जानी है वह सभी हमारी सरकार के प्रदान द्वारा कराई जा रही है और खिलाड़ी देश एवं विश्व स्तर पर बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। और भारत का तिरंगा लहरा रहे हैं और तमाम प्रतियोगिताओं में गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल जीतकर ला रहे हैं, यह अपने आप में दर्शाता है कि हमारे देश में प्रतिभा की कभी कमी रही ही नहीं। उन्होंने कहा कि शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक खेलों की आधारभूत संरचनाओं का निर्माण किया गया।

ब्रजमंडल की महारानी हैं रासराजेश्वरी किशोरी श्रीजूः- धमार्चार्य ओम प्रकाश पांडे अनिरुद्ध रामानुज दास

भारत संवाद

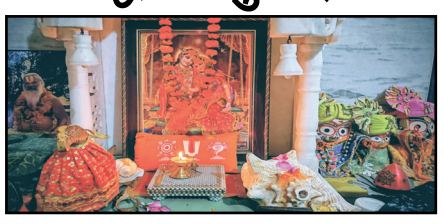

प्रतापगढ़ रामानुज आश्रम ब्रज की महारानी रास राजेश्वरी राधा रानी महारानी करुणामयी लाडली सरकार किशोरी श्रीजू का 5253 वां प्राकटयोत्सव भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी राधा अष्टमी को धूमधाम से मनाया गया। प्रातःकाल भगवान शालिग्राम शुकदेव जी जगन्नाथ जी बलभद्र जी एवं सुभद्रा जी तथा श्रीराधा व श्री कृष्ण के चित्र पट का गंगाजल से अभिषेक किया गया। पूजन अर्चन करने के पश्चात धमार्चार्य ओम प्रकाश पांडे अनिरुद्ध रामानुज दास ने कहा कि राधा जी ब्रज की अधिष्ठात्री हैं। बिना राधा नाम जपके कृष्ण का मिलना असंभव है। द्वापर युग में भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी को बरसाना के पास रावल गांव में बृजभानु एवं माता कीर्ति के घर राधा जी का अवतरण हुआ था, कहा जाता है कि माता कीर्ति प्रतिदिन स्नान करने के लिए जाती थी वहीं पर कमल के फूल में एक चमकती हुई बालिका को उन्होंने प्राप्त किया। माता कीर्ति के पेट में वायु भरी रहती थी और वही वायु जब निकली तो राधा जी के स्वरूप में प्रकट हो गई थी। गर्ग संहिता में राधा जी के विषय में बहुत ही सुंदर वर्णन है। उदया तिथि होने के कारण आज रविवार को राधा अष्टमी मनाई जा रही है। राधा जी के जन्म के पश्चात 11 माह तक उन्होंने अपनी आंखों को नहीं खोला जब गोकुल में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जा रहा था तो भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी को 11 माह के बाद रावल जी लेकर नंद बाबा के यहां गए थे। वहीं पर राधा जी को भगवान श्रीकृष्ण के बगल में पालने पर लिटाया गया था।लोगों ने देखा कि भगवान श्री कृष्ण राधा जी की उंगली पकड़े हैं और दोनों लोग हंस रहे हैं। गर्ग संहिता के गोलोक खंड के 16 वें अध्याय के 31 32 33 34 एवं 35 वें श्लोक में वर्णन आता है कि ब्रह्मा जी ने अग्नि को प्रकट करके उनके सम्मुख प्रिया एवं प्रियतम का वैदिक विधान से पाणि ग्रहण संस्कार विधिपूर्वक पूर्ण किया। अग्नि देव की सात परिक्रमाएं भी करवायीं। श्री राधिका जी के हाथों को भगवान श्री कृष्ण के हाथों में समर्पित किया। दोनों लोगों के द्वारा एक दूसरे को केसर युक्त माला पहनवाया और सात मंत्र पढ़वाए। तत्पश्चात दक्षिणा के रूप में युगल चरणों की भक्ति को मांगा। सांय काल संत निवास परसन पांडे का पुरवा सेनानी ग्राम देवली में तुलसी के वृक्षों का रोपण किया गया। इस अवसर पर नारायणी रामानुजदासी डॉक्टर अर्वातिका पांडे इंजीनियर पूजा पांडे छोटेलाल सरकार सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

त्योहारों पर शांति व सौहार्द का संदेश, थाना सराय अकिल में हुई अहम बैठक

भारत संवाद

कौशांबी। आगामी बारहवफात व गणेश विसर्जन पर्व को लेकर थाना सराय अकिल में शनिवार को एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारी गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान हैं, इन्हें भाईचारे और आपसी सहयोग से मनाना ही सबसे बड़ी परंपरा है। थानाध्यक्ष ने आयोजकों व संभ्रांत नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन हर स्तर पर सतर्क है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चौकस रखी जाएगी। बैठक में सभी समुदायों के लोगों ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाएँगे तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुनील कुमार यादव, चौकी इंचार्ज दिलीप कुमार सिंह, राकेश राय, नीरज उपाध्याय, बलराम सिंह, सुनील यादव

समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।बैठक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि धर्म से बड़ा देश और आपसी भाईचारा है, और यही एकता कौशांबी की असली ताकत है।

बीईओ उरुवा ने प्रधानाध्यापकों के साथ विभागीय कार्यों के संपादन व समीक्षा की बैठक की

हरि का वाहन कहलाये जो,खगेस उसी को कहते है, अपने बीईओ वन आये जो,वरुनेस उन्ही को कहते है।

भारत संवाद

बीईओ उरुवा के कार्यालय सभागार में अगस्त माह की मासिक बैठक संपन्न।

मेजाः ब्लॉक संसाधन केंद्र,बीआरसी उरुवा के सभागार में महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज के आदेशानुसार शनिवार को मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विकास खंड उरुवा के परिषदीय विद्यालयों के समस्त प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापकों के साथ बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा ने दो घण्टे उनके साथ बैठकर विभागीय कार्यों के संपादन एवं समीक्षा की जानकारी ली और शासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का समय से पालन करने के लिए कहा। बैठक के दौरान विद्यालयों में यू डाइस पोर्टल पर स्टूडेंट प्रोफाइल व ड्रॉप बॉक्स में पड़े स्टूडेंट को संबंधित विद्यालय में इंपोर्ट करने की समीक्षा, प्रत्येक विद्यालयों द्वारा प्रेरणा पोर्टल पर समय सारणी को अपलोड करना, डीबीटी से संबंधित कार्यों का सत प्रतिशत पूर्ण किया जाना, इंस्पायर अवार्ड हेतु उच्च प्राथमिक विद्यालयों व कंपोजिट विद्यालयों से कम से कम पांच बच्चों के रजिस्ट्रेशन की स्थिति की जानकारी, ओलंपियाड (गणित,अंग्रेजी,विज्ञान,सामान्य ज्ञान) में विद्यालय स्तर पर बच्चों को प्रतिभा कराए जाने की समीक्षा, शैक्षिक सत्र 2025-26 में नवीन नामांकन का रजिस्ट्रेशन एवं पुराने छात्रों को प्रेरणा पोर्टल पर सत्यापित किए जाने की समीक्षा, विद्यालय में जर्जर भवन से संबंधित सूचनाओं की समीक्षा, ऑपरेशन कायाकल्प की 22 पैरामीटर पर संतृप्तिकरन हेतु हो रहे कार्यों की

गुणवत्ता की सत्यापन की स्थिति, कंपोजिट धनराशियों का व्यय विवरण विद्यालय की बाहरी दीवारों पर लिखवायें जाने के संबंध में जानकारी, एमडीएम के अंतर्गत विद्यालय में मानक के अनुसार रसोईया चयन की स्थिति, समर्थ ऐप पर दिव्यांग बच्चों की उपस्थिति प्रतिदिन अपडेट करने, विद्यालय समय अवधि के दौरान शौचालय खुले होने की स्थिति तथा विद्यालय निरीक्षण के दौरान अद्यतन शिक्षक डायरी की समीक्षा आदि अन्य और कई बिंदुओं में समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक व मीटिंग के अंत मे संविलियन विद्यालय समोगरा,उरुवा की सहायक अध्यापिका संध्या पाल द्वारा स्वरचित बीईओ उरुवा वरुण मिश्रा के व्यक्तित्व व स्वभाव पर लिखी एक बहुत ही सुंदर पंक्तियों को गाकर सभी के सामने सुनाया और फिर स्वरचित पंक्तियों की मान-पत्र बीईओ उरुवा को भेंट की।

फास्ट ट्रैक

हत्या के मुकदमें में वांछित दो धरे

सहारनपुर। थाना कोतवाली मण्डी पुलिस द्वारा हत्या के मुकदमें में वाँछित दो अभियुक्तो को किया गया गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। गत 1 अगस्त को वादी तुषार कुमार पुत्र चतूर सिंह निवासी सिवेन्द्र विहार कॉलोनी थाना मण्डी जिला सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत गोपाल पुत्र फूल्ला उर्फ फूलवा निवासी रामलोक सुपर विहार कॉलोनी थाना मण्डी जिला सहारनपुर,मोहित पुत्र राकेश निवासी मुंगागढ थाना मण्डी जिला सहारनपुर व तीन-चार अज्ञात व्यक्ति द्वारा षडयन्त्र कर वादी के भाई को जातिसूचक शब्दो का प्रयोग कर अपमानित करने व मां बहन की गंदी-गंदी गालियां देते हुए षडयन्त्र के तहत हत्या कर देने की सूचना के सम्बन्ध में थाना मण्डी पर मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारण्टी अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक श्री बीनू सिहं के कुशल नेतृत्व में आज मुखबिर की सूचना पर थाना मण्डी पुलिस टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त में हत्या के मुकदमे में गोपाल मिश्रा पुत्र राजबक्श निवासी गणेश विहार कालोनी थाना मंडी सहारनपुर व मोहित पुत्र राकेश निवासी मूंगागढ बेहटरोड थाना मंडी सहारनपुर को मातागढ की पुलिया अमित के ढाबे के सामने से समय 12.10 बजे गिरफ्तार किया गया। मुकदमा उपरोक्त मे अभियुक्त अभियुक्त गोपाल मिश्रा के विरूद्ध तथा अभियुक्त मोहित वाल्मीकी के विरूद्ध अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

फ्रैंडली क्रिकेट मैच का आयोजन, फ्लाइंग ऑफिसर सुधीर त्यागी क्रिकेट-11 की जीत

सहारनपुर। सहारनपुर के जे.वी. जैन डिग्री कॉलेज के स्पोर्ट्स ग्राउंड पर प्रशासन क्रिकेट-11 और फ्लाइंग ऑफिसर सुधीर त्यागी क्रिकेट-11 के बीच एक फ्रेंडली 20-20 क्रिकेट मैच का आयोजन हुआ। मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसमें फ्लाइंग ऑफिसर सुधीर त्यागी क्रिकेट-11 ने 18.5 ओवर में 193 रन का लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। क्रिकेट मैच में आयुक्त अटल राय, डीआईजी अभिषेक सिंह, डीएम मनीष बंसल, एसएसपी आशीष तिवारी, सीडीओ सुमित महाजन, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट विनोद मीना, सेवानिवृत्त जस्टिस वीरेंद्र सिंह यादव, जज परविंदर, संरक्षक मनोज व कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मैच से पहले शहीद फ्लाइंग ऑफिसर सुधीर त्यागी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आर. एस. त्यागी (होम्योपैथ) और संरक्षक श्री नरेंद्र कौशिक (एडवोकेट) रहे। यह आयोजन न केवल खेल भावना को बढ़ावा देने का एक माध्यम बना, बल्कि शहीद फ्लाइंग ऑफिसर सुधीर त्यागी की स्मृति को सम्मानित करने का एक प्रेरणादायक अवसर भी रहा।

पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेवा करने के लिए टीम हुई रवाना

सहारनपुर। बाबा रणजीत सिंह कार सेवक गुरुद्वारा श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी पन्याली एवं सिंह ब्रदर्स वेलफेयर सोसाइटी की एक टीम आज रविवार, 31 अगस्त को सहारनपुर से पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेवा करने के लिए सरसावा से अरदास करके रवाना हुई। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सूखा राशन, दालें, सब्जियाँ, चावल, चीनी, चायपत्ती, दूध के पैकेट, बिस्कुट, ब्रेड, पशुओं का चारा आदि व अन्य दैनिक आवश्यकता की वस्तुएँ वितरित की जाएँगी। सिंह ब्रदर्स वेल्फेयर सोसाइटी के प्रबंधक मनजोत सिंह ने बताया कि हमारी टीम पंजाब में पहुंच कर जरूरतमंदों तक यह सेवा पहुंचाएंगे। संस्था प्रबंधक मनजोत सिंह ने सभी संगत का धन्यवाद किया है जिन्होंने इस आपदा में तन मन धन से अपना सहयोग दिया है। इस आपदा में सेवा के लिए आगे आए कुछ धार्मिक संस्थान एवं संगत गुरुद्वारा साहिब सरसावा, गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह जी शहीद जमुना पार, शहीद भगत सिंह भाई चारा मंच, सिख संगत सहारनपुर एवं सिख संगत सहारनपुर देहात, गुरुद्वारा साहिब महँगी गंगोह ।

इस मौके पर बाबा रणजीत सिंह जी ,मनिंदर सिंह ,मनजोत सिंह ,चरणप्रीत सिंह ,शेर सिंह ,तेजपाल सिंह ,तजिंदर सिंह ,अवतार सिंह आदि मौजूद रहे।

1400 मेधावी छात्रों का सम्मान, 6 बच्चों को मिली साइकिल

भारत संवाद

अलीगढ़ ।सर्वशक्ति सेवा संस्था के तत्वावधान में रविवार, 31 अगस्त 2025 को रतन प्रेम डी.ए.बी. बालिका इण्टर कॉलेज, नौरंगाबाद (अलीगढ़) में मेधावी छात्र-छात्राओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा 1400 बच्चों को मेडल, ट्रॉफी और साइकिल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. श्रीमानवेन्द्र प्रताप सिंह (गुरुजी) रहे।दीप प्रज्ज्वलन डॉ. अंजुला भार्गव, श्रीमती मधु गुप्ता, श्री कालीचरण अग्रवाल (बरसोली वाले), श्री सुनील अग्रवाल (छतारी वाले) एवं श्री देवकुमार गर्ग (इळड) द्वारा किया गया। पं. लोके शास्त्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहते हुए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को देश और समाज के प्रति सदैव समर्पित रहना चाहिए।

समारोह में सेवा समर्पण सम्मान 2025 भी समाजसेवियों को प्रदान किया गया। कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों के लिए प्रीतिभोज का भी आयोजन किया गया।

विशेष सम्मान

संस्था ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 6 बच्चों को साइकिल भेंट कर सम्मानित किया–

1. परी शर्मा (कक्षा 10वीं, सरस्वती स्कूल) 94%
2. देविक गुप्ता (कक्षा 9वीं, रघुवीर बाल मंदिर) 93.17%
3. शिवानी बघेल (कक्षा 8वीं, गोल्ड माइन) 99.94%
4. शिवा (कक्षा 7वीं, आधार पब्लिक स्कूल) 99%
5. जानवी सिंह (कक्षा 6ठीं, आधार पब्लिक स्कूल) 98.22%
6. मानसी कुमारी (कक्षा 5वीं, गोल्ड माइन) 98.8%

प्रमुख अतिथि

इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे जिनमें प्रमुख रूप से–

विनोद सिंघल (रेडियंट स्टार इंग्लिश स्कूल), अनमोल रतन, अमित गुप्ता, दीपक चौधरी,रवि बघेल, पवन कुमार शर्मा, धर्मेन्द्र पाल सिंह (नीलू भाई), हनुमंत राम गांधी, लोकेश शास्त्री, विनोद वार्ष्णेय, सीलू ठाकुर, अरविन्द सिंह, लोगी ठाकुर, अन्ता प्रधान, योगेश कुमार, अमित गर्ग, रबी बघेल, नरेन्द्र कुमार वार्ष्णेय, बनवारीलाल सेहनी, रबी कुमार गुप्ता सहित अनेक समाजसेवी मौजूद रहे। संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने और समाज सेवा की भावना को प्रबल करने में मील का पत्थर साबित होते हैं।

सतत विकास और उच्च शिक्षा की भूमिका पर डा. सोनी सिंह का व्याख्यान

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय, एग्री मीट फाउंडेशन एवं रायल सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा 21 दिवसीय एफडीपी कम ट्रेनिंग कार्यक्रम अन्नदाता-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मंगलायतन विश्वविद्यालय की बायोटेक्नोलॉजी एवं लाइफ साइंसेज विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. सोनी सिंह ने इंटीग्रेटिंग सस्टेनेबिलिटी एंड हायर एजुकेशन फॉर सोसायटल ट्रांसफॉर्मेशन विषय पर अपना व्याख्यान दिया। सोनी सिंह ने कहा कि सतत विकास आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और उच्च शिक्षा संस्थानों की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। उच्च शिक्षा संस्थान केवल ज्ञान का प्रसार नहीं करते, बल्कि समाज को रूपांतरित करने की क्षमता रखते हैं। इसी कारण उच्च शिक्षा संस्थानों को पाठ्यक्रम नवाचार के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को सीधे शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में सतत विकास की बात कृषि के बिना अधूरी है। कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल खेती को उन्नत बनाने में मदद कर रहा है। सेंसर आधारित सिंचाई प्रणाली, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्मार्ट मॉनिटरिंग और डेटा एनालिटिक्स से कृषि उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने नमो दीदी योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने, कृषि क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और

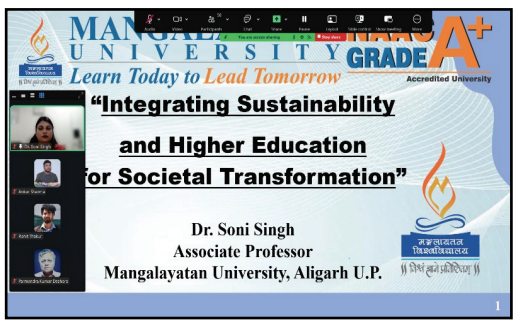

आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है। सतत विकास की यात्रा केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी को इसमें सक्रिय भागीदार बनना होगा। क्योंकि जिस तेजी के साथ प्राकृतिक संसाधन का दोहन हो रहा है उससे हमारी आने वाली पीढ़ी पर पढ़ने वाले प्रभाव के बारे में भी सोचना पड़ेगा।

आम आदमी पार्टी ने इगलास विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया

भारत संवाद

अलीगढ़ आम आदमी पार्टी ने इगलास विधानसभा अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह को नियुक्त किया। विधानसभा इगलास में आज एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें जिला संगठन प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने सुरेंद्र सिंह के नाम का अनुमोदन किया जिसकी घोषणा जिला महासचिव दीपक चौधरी ने की। सुरेंद्र सिंह जी भाजपा छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं आज उनको विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त कर दिया गया है सुरेंद्र सिंह जी ने कहा की पार्टी ने जो मुझे जिम्मेदारी दी है पूरी दृढ़ता से निभाऊंगा और इगलास की जनता की आवाज उठाने का कार्य करूंगा इस मौके पर जिला प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह जी और जिला महासचिव दीपक चौधरी कोषाध्यक्ष रविंद्र पाल गोपाल जी बनवारी लाल चंद्रवीर सिंहसोनवीर सिंह बाबूलाल शिवचरणसंतोष सिंहराम खिलाड़ीजगदीश सिंह बबलू सिंह दूध पाल सिंह आदि लोग मौजूद रहे

श्री वार्ष्णेय मंदिर में राधाष्टमी पर श्री राधा रानी का हुआ दुग्धाभिषेक

भारत संवाद

महानगर अलीगढ़ के मध्य स्थित भव्य श्री वार्ष्णेय मंदिर पर राधाष्टमी के उपलक्ष में बृषभानदुलारी श्री राधारानी का दुग्धाभिषेक किया गया। श्री वार्ष्णेय मंदिर के प्रवक्ता भुवनेश वार्ष्णेय आधुनिक के अनुसार दोपहर 2.30 बजे श्री राधा रानी का दुग्धाभिषेक मंदिर महंत पंडित मनोज मिश्रा व पंडित महेश ब्रह्मचारी, पंडित रोहित मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य विधि विधान से राधा रानी का अभिषेक दूध ,दही , घी , गंगाजल , शहद एवं इत्रादि से कराया। इस अवसर पर मंदिर व्यवस्थापक श्री राधे श्याम गुप्ता जी स्क्रेप वाले , भुवनेश आधुनिक , श्रीमती अलका गुप्ता पूर्व पार्षद , लक्ष्मी वार्ष्णेय , पूनम सरकोंडा , नीरू गुप्ता स्क्रैप , प्रिया अनुज गुप्ता, श्रीमती कल्पना वार्ष्णेय डिब्बा, अंजू वार्ष्णेय, खुशी गुप्ता, लीना गुप्ता, सोनी गुप्ता, मंजू रानी, राधा लाइट, शैल वार्ष्णेय , दामिनी गुप्ता, शोभा गुप्ता , मीनू वार्ष्णेय , ममता वार्ष्णेय, दीपिका वार्ष्णेय , चमन वार्ष्णेय, गीता गुप्ता , विजेता वार्ष्णेय, सुषमा वार्ष्णेय, शिवानी वार्ष्णेय , तनु वार्ष्णेय आदि उपस्थित थे।

सरकार की जनविरोधी नीतियों से जनता परेशानः कांग्रेस

भारत संवाद

सहारनपुर। महानगर में कांग्रेस सेवा दल द्वारा आज रामनगर चैक वार्ड 24 पर ध्वज वंदना का कार्यक्रम महानगर अध्यक्ष अनुज शर्मा के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम का सफल संचालन महानगर कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरदीप जैन ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य पूर्व मंडलीय प्रवक्ता नरेंद्र शर्मा ने ध्वज फहराकर सभी साथियों को और नगर वासियों को बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष वरुण शर्मा ने कहा जिस तरह से सेवा दल यह कार्यक्रम हर वार्ड में ध्वज वंदना का बड़े ही जोरो के साथ कर रहे है उसमें कांग्रेस का प्रचार प्रसार और मौजूदा सरकार की गलत नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर सेवा दल के अध्यक्ष अनुज शर्मा ने कहा कि आज बड़े ही जोश के साथ हम महानगर के हर वार्ड में ध्वज वंदना का कार्यक्रम कर रहे हैं और इसको घर-घर तक पहुंचने में सभी साथियों का जो सहयोग हमें प्राप्त हो रहा है उसे कांग्रेस की विचारधारा एक मजबूती के साथ आगे बढ़ती जा रही है और कांग्रेस को मजबूती प्रदान कर रही है

ध्वज वंदना के कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपक कुमार, रवि कुमार, सलमान, शुभम शर्मा ,चेतन सिंह, राजेश कुमार, चंद्रशेखर, पासी अध्यक्ष सोशल मीडिया सरदार प्रभजीत सिंह, डिंपल गोरख, सुनील कुमार, विनोद शर्मा मुख्य रूप से साथी मौजूद रहे।

रोटरी क्लब सहारनपुर ग्रेटर ने किया वृक्षारोपण

भारत संवाद

सहारनपुर। रोटरी क्लब सहारनपुर ग्रेटर द्वारा आज स्थानीय राज विहार क्लोनी मे वृक्षरोपण किया इस मौके पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन एम पी सिंह चावला और सचिव रोटेरियन मोहम्मद आलम ने बताया कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए और सभी जीवों के स्वस्थ जीवन के लिए अच्छी ऑक्सीजन को बनाने के लिए हमें अधिक से अधिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधरोपण और वृक्षारोपण करने और कराते रहना चाहिए, प्रोजेक्ट चेयरमैन एवं पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन गिरीश तलवार ने बताया की क्लब के सभी सदस्यों के घरो के पास सप्ताह मे एक बार उपयुक्त स्थान चिन्हित करके सहारनपुर मे अधिक से अधिक स्थानों पर पौधरोपण और वृक्षरोपण करेंगे इस मौके पर पहुंचे मुख्य अतिथि वरिष्ठ उधमी एवं रोटरी क्लब सहारनपुर ग्रेटर के चार्टर प्रेजिडेंट रोटेरियन अर्वके धवन ने क्लब के पदाधिकारियों कोनिस पुनीत कार्य की बधाई दी कार्यक्रम को सफल बनाने मे क्लब के कोषाध्यक्ष रोटेरियन दीपक गाँधी, पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन नीरज रहेजा, एडवोकेट नियम तलवार, श्रीमती अंजू तलवार एवं वाणी का विशेष योगदान रहा।

पुलिस का सराहनीय कार्य

भारत संवाद

सहारनपुर। पुलिस ने अपराध के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को और सशक्त करते हुए पिछले सात महीनों में उल्लेखनीय कार्रवाइयाँ की हैं। पुलिस ने अपराधियों पर नकेल कसते हुए 55 एनकाउंटर किए, जिनमें 97 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 33 पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई, जबकि 254 अपराधियों पर गुंडा एक्ट लगाया गया। इसके अलावा, 160 अपराधियों को जिला बदर किया गया और 66 की हिस्ट्रीशीट खोली गई। यह कार्रवाइयाँ सहारनपुर पुलिस की मुस्तैदी और अपराध नियंत्रण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। पुलिस ने ऑपरेशन सवेरा के तहत नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत भी कड़ा रुख अपनाया। इस अभियान में 262 अभियोग दर्ज किए गए और 325 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही, 71 पर गुंडा एक्ट और 15 पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हुई। इस दौरान 10 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट भी खोली गई। यह अभियान नशे के कारोबार पर लगाम लगाने में महत्वपूर्ण साबित हुआ है।

अस्मिता रग्बी लीग में वैदिक इंटर कॉलेज की टीम बनी विजेता

भारत संवाद

सहारनपुर। अस्मिता रग्बी लीग का पुरस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। रग्बी लीग में वैदिक इंटर कॉलेज मुजफ्फराबाद की टीम ने अपने खेल का शानदार प्रदर्शन कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया।

अस्मिता रग्बी लीग का भव्य आयोजन मल्हीपुर रोड स्थित नालन्दा वर्ल्ड स्कूल के मैदान पर सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तर प्रदेश रग्बी फुटबॉल संघ के उत्साही उपाध्यक्ष अमित कुमार डे के द्वारा किया गया। जिसमें विभिन्न क्लबों और विद्यालयों की 16 टीमों ने भाग लिया। पहले दिन कुल 36 मैच खेले गए, जिनमें शानदार खेल का प्रदर्शन देखने को मिला। कड़े मुकाबलों के बाद वैदिक इंटर कॉलेज मुजफ्फराबाद, जनता इण्टर कॉलेज, ब्लू डायमंड क्लब अंबेहटा चाँद तथा रामकृष्ण परमहंस इंटर कॉलेज, नागल सेमीफाइनल तक पहुँचीं।

पहले सेमीफाइनल में ब्लू डायमंड क्लब अंबेहटा चांद ने रामकृष्ण परमहंस इंटर कॉलेज नागल को 0-5 के अंतर से पराजित कर फाइनल में स्थान बनाया। दूसरे सेमीफाइनल में वैदिक इंटर कॉलेज मुजफ्फराबाद ने जनता इंटर कॉलेज अंबेहटा चांद को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। रोमांचक फाइनल मुकाबले में वैदिक इंटर कॉलेज ने ब्लू डायमंड क्लब अंबेहटा चांद को हराकर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

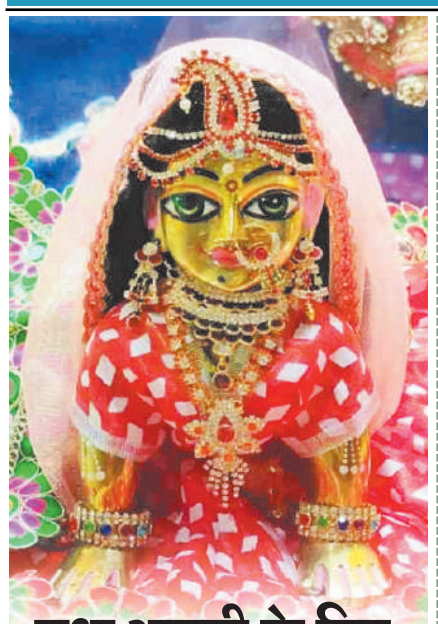

राधा अष्टमी के दिन श्री राधा रानी को अर्पित करें ये चीजें, धन-धान्य से भरा रहेगा घर

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। राधा अष्टमी के दिन राधा रानी का जन्मोत्सव मनाने के साथ ही उनकी सेवा-पूजा एवं भव्य श्रृंगार का भी विधान है। इसके अलावा, राधा रानी की पूजा के दौरान उन्हें कुछ चीजें अर्पित करने से उनकी कृपा प्राप्त हो सकती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें बांसुरी

बांसुरी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि श्री कृष्ण बांसुरी तभी बजाते थे जब पहले राधा रानी उसमें स्वर का संचार करती थीं। ऐसे में कृष्ण प्रिय बांसुरी राधा रानी को अर्पित करने से वह शीघ्र प्रसन्न हो जाती हैं।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें चूड़ा

राधा रानी को हाथ में पहनने वाले कड़े अर्पित करने चाहिए। यानी कि जब आप उनका श्रृंगार कर रहे हों तो उन्हें चूड़ा या कड़ा अवश्य पहनाएं। ऐसी मान्यता है कि कृष्ण भगवान को राधा रानी के हाथों में कड़े बहुत भाते थे।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें मोरपंख

मोरपंख न सिर्फ कृष्ण प्रिय है बल्कि राधा रानी को भी मोरपंख बहुत भाता है। ऐसे में अगर राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को मोरपंख अर्पित जाए तो इससे व्यक्ति के जीवन के सभी दुख और नकारात्मकता दूर होती है।

राधा अष्टमी के दिन राधा रानी को अर्पित करें नाम जाप

राधा अष्टमी के दिन जितना हो सके उतना राधा नाम का जाप या कृष्ण नाम का जपा करना चाहिए। शास्त्रों में भी लिखा है कि नाम जाप से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। ऐसे में राधा कृष्ण का नाम जाप करने से उनका सानिध्य मिलता है।

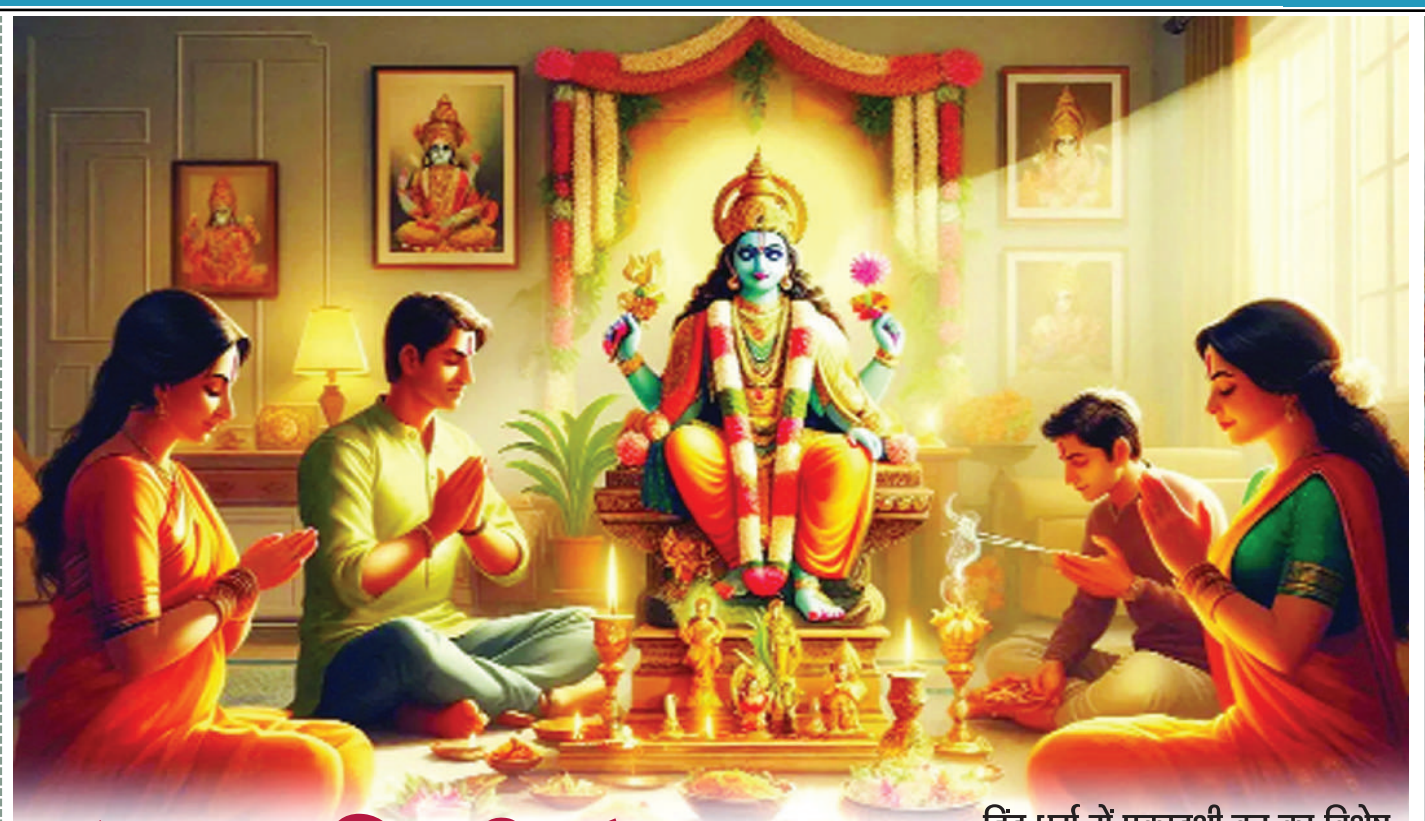

मोक्षदायिनी है परिवर्तिनी एकादशी

तिथि, मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व होता है. सालभर में कुल 24 एकादशी आती हैं, जिनमें से प्रत्येक व्रत का अलग-अलग फल और महत्व माना गया है. भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा की जाती है. मान्यता है कि इस व्रत को करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है.

एकादशी का व्रत बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है. यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है और हर महीने में दो बार आता है. इनमें से एक एकादशी, परिवर्तिनी एकादशी, विशेष महत्व रखती है. यह व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है. इस दिन भगवान विष्णु अपनी चार महीने की योगनिद्रा की मुद्रा में करवट लेते हैं, इसलिए इसे परिवर्तिनी एकादशी कहा जाता है. आइए जानते हैं इस व्रत की तिथि, शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व के बारे में विस्तार से.

परिवर्तिनी एकादशी कब है?

पंचांग के अनुसार, परिवर्तिनी एकादशी तिथि का आरंभ 3 सितंबर 2025 को सुबह 3 बजकर 53 मिनट पर होगा और यह तिथि अगले दिन 4 सितंबर 2025 को सुबह 4 बजकर 21 मिनट तक रहेगी. उदयातिथि के अनुसार, परिवर्तिनी एकादशी का व्रत 3 सितंबर को ही रखा जाएगा.

परिवर्तिनी एकादशी की पूजा विधि

एकादशी के दिन सुबह स्नान के बाद व्रत का संकल्प लें. भगवान विष्णु की मूर्ति या प्रतिमा स्थापित करें. उन्हें पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल) से स्नान कराएं.भगवान को पीले वस्त्र पहनाएं और पीली वस्तुओं से उनका श्रृंगार करें. इसके बाद उन्हें तुलसी दल, फूल, फल, मिठाई और विशेष रूप से माखन-मिश्री का भोग लगाएं.'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप करें. विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना भी बहुत शुभ माना जाता है. आखिर में, भगवान विष्णु की आरती करें. इस दिन रात्रि जागरण का विशेष महत्व है. रात में भगवान विष्णु के भजन-कीर्तन करें और उनकी महिमा का गुणगान करें. द्वादशी के दिन व्रत का पारण करें. पारण से पहले किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं या दान दें.

परिवर्तिनी एकादशी का महत्व

परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखने से कई शुभ फल प्राप्त होते हैं. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है.इस दिन व्रत रखने से घर में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है. सच्चे मन से की गई पूजा और व्रत से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. यह व्रत व्यक्ति को जीवन-मरण के बंधन से मुक्त कर मोक्ष की ओर ले जाता है. इस प्रकार, परिवर्तिनी एकादशी का व्रत एक बहुत ही पवित्र और फलदायी व्रत है, जिसे विधि-विधान से करने पर व्यक्ति को भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है.

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें इन पेड़ों की पूजा, दूर होगा ग्रह दोष

परिवर्तिनी एकादशी इस साल 3 सितंबर की पड़ रही है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। साथ ही, इस दिन कुछ पेड़-पौधों की पूजा करना भी बहुत शुभ और लाभकारी माना जाता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें केले के पेड़ की पूजा

केले के पेड़ में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, केले के पेड़ का संबंध बृहस्पति यानी कि गुरु ग्रह से बताया गया है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिनकेले के पेड़ की पूजाकरने से कुंडली में ब्रिहस्सी मजबूत होते हैं और भगवान विष्णु की कृपा रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें तुलसी के पौधे की पूजा

तुलसी को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण से घर में तुलसी रखने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि घर में तुलसी का पौधा हो तो साक्षात लक्ष्मी वास करती हैं। एकादशी के दिन तुलसी को हात लगाने की मनाही है लेकिन तुलसी के पास दीपक जला सकते हैं।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन करें पीपल के पेड़ की पूजा

पीपल के पेड़ में सभी देवी-देवताओं का वास माना जाता है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से सभी देवी-देवताओं की कृपा घर पर बनी रहती है। इसके अलावा, इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से ग्रह दोष एवं वास्तु दोष भी दूर होता है।

परिवर्तिनी एकादशी पर करें इन पांच चीजों का दान सभी कष्टों से मिलेगी मुक्ति

साल में 24 एकादशी तिथि होती है, जो सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन जगत के पालनहार की पूजा करने से मनचाहे परिणामों की प्राप्ति होती हैं। एकादशी तिथि पर व्रत रखने से व्यक्ति के धन धान्य में वृद्धि और जीवन में खुशियों का वास होता है। हर माह में आने वाली एकादशी तिथि का अपना विशेष महत्व होता है। हालांकि इनमें परिवर्तिनी एकादशी को सबसे खास माना गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु निद्रासन में अपनी करवट बदलते हैं, इसलिए इसका नाम परिवर्तिनी एकादशी है। इस साल 3 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी का व्रत रखा जाएगा। इस दिन शोभन योग के साथ उत्तराषाढा नक्षत्र का संयोग बन रहा है। ऐसे में कुछ चीजों का दान करने से भाग्य में वृद्धि और तरक्की के योग का निर्माण हो सकता है।

पीले रंग के फल

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान विष्णु को पीला रंग अधिक प्रिय है। ऐसे में परिवर्तिनी एकादशी पर पीले रंग के फल दान करने से शुभ परिणामों की प्राप्ति होती हैं। साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि का वास होता है।

दाल का दान

परिवर्तिनी एकादशी के खास मौके पर दाल का दान करना चाहिए। मान्यता है कि दाल के दान से गुरु दोष से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में खुशियों का वास होता है। सफेद रंग की मिठाई परिवर्तिनी एकादशी पर पीले या सफेद रंग की मिठाई का दान करें। मान्यता है कि इससे जीवन में मिठास बनी रहती है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी भी खुश होती हैं।

वस्त्र का दान

परिवर्तिनी एकादशी पर जरूरत लोगों को वस्त्र का दान करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं, और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। कहते हैं कि वस्त्रों का दान करने से मां लक्ष्मी की कृपा भी जीवन में बनी रहती है।

अन्न का दान

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार जरूरतमंदों को अन्न का दान करने से व्यक्ति के भाग्य में वृद्धि होती है। आप परिवर्तिनी एकादशी पर अन्न का दान कर सकती हैं। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है।

परिवर्तिनी एकादशी के दिन घी का दीया जलाने के क्या लाभ हैं

- परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं।
- हिन्दू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान विष्णु को पंचगव्य अर्पित करने से 1000 यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है।
- इसके अलावा, 10 हजार अनुष्ठानों के बराबर फल मिलता है। घी भी गाय के दूध से बनता है और पंचगव्य का ही एक हिस्सा है।
- ऐसे में भगवान विष्णु को घी चढ़ाने या उनके समक्ष घी का दीया जलाने से यज्ञों और अनुष्ठानों के समान फल की प्राप्ति होती है।
- वहीं, ज्योतिष शास्त्र की मानें तो हर खान-पान से जुड़ी वस्तु का नाता ग्रहों से होता है। ऐसे में घी का संबंध बृहस्पति ग्रह से है।
- परिवर्तिनी एकादशी के दिन अगर भगवान विष्णु के सामने घी का दीया जलाया जाए तो उनकी कृपा से गुरु ग्रह मजबूत होते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल को ऐसे करें राधा स्वरूप में तैयार

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधाष्टमी मनाई जाती है। इस दिन जहां एक ओर राधा रानी के भव्य श्रृंगार और उनकी पूजा का विधान है तो वहीं, इस दिन लड्डू गोपाल को राधा रानी के रूप में भी तैयार किया जाता है। जिन लोगों के घरों में राधा रानी विराजमान नहीं है वह लड्डू गोपाल का राधा रानी के रूप में श्रृंगार कर सकते हैं।

राधा अष्टमी के दिन लड्डू गोपाल का राधा रानी रूप में श्रृंगार

- राधा रानी की तरह तैयार करने के लिए लड्डू गोपाल के लिए सबसे पहले सोलह श्रृंगार की वस्तुएं और वस्त्र खरीदकर रख लें।
- इसके अलावा, राधा राधा रानी की प्रिय वैजयंती माला, मोगरे के फूल और चंदन भी लाना न भूलें। इनके बिना श्रृंगार अधूरा है।
- इसके बाद राधा अष्टमी वाले दिन लड्डू गोपाल को सबसे पहले पंचामृत से स्नान कराएं। फिर चंदन से लाला को नहलाएं।
- फिर जल से स्नान कराने के बाद उन्हें गोपी ड्रेस पहनाएं। गोपी ड्रेस द्वापर युग में गोपियां और श्री राधा रानी धारण करती थीं।
- लड्डू गोपाल को गोपी ड्रेस पहनाने के बाद आंखों में काजल भरें। होठों पर लाली लगाएं। हाथों में कंगन और पेरों में पायल पहनाएं।
- इसके बाद कमर पर करधनिया यानी कि कमर बंद बांधें। लड्डू गोपाल को कानों में राधा रानी की तरह कुंडल पहनाएं।
- फिर लड्डू गोपाल को केश पहनाएं और केशों को फूलों से सजाएं। लड्डू गोपाल को गले में सुंदर सा हार भी पहनाएं।
- इसके बाद भौहों के ऊपर लड्डू गोपाल का चंदन से श्रृंगार करें। लड्डू गोपाल को पहनाई गई गोपी ड्रेस पर इत्र अवश्य छिड़कें।
- इसके बाद लड्डू गोपाल के समक्ष पहले राधा रानी या युगल जोड़ी की आरती गाएं। फिर लड्डू गोपाल की आरती करें।

राधा अष्टमी के दिन पढ़ें ये व्रत कथा

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि के दिन राधा अष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि राधा अष्टमी के दिन जितना लाभकारी राधा रानी की पूजा करना होता है, उतना ही शुभ राधा अष्टमी की व्रत कथा सुना या पढ़ना माना जाता है।

राधा अष्टमी की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, श्री राधा रानी और श्री कृष्ण के धाम गोलोक में एक बार श्रीदामा जी पधारे जो कान्हा के परम भक्त और उनके साथी माने जाते हैं। यूं तो श्रीदामा श्री कृष्ण के साथ रहते थे लेकिन एक बार ब्रह्म ज्ञान के बारे में जानने हेतु वह गोलोक से बाहर गए। जब श्रीदामा वापस लौटे और कृष्ण दर्शनों के लिए उनके पास पहुंचे तब श्री राधा रानी के साथ श्री कृष्ण लीला करने में इतने लीन थे कि उन्हें श्रीदामा के आने का आभास ही नहीं हुआ। यह देख श्रीदामा बहुत दुखी हुए और उन्हें श्री राधा रानीके ऊपर भयंकर क्रोध आ गया। श्रीदामा का मानना था कि राधा रानी के कारण ही श्री कृष्ण उनसे दूर हो गए हैं। बस यही सोचते हुए उन्होंने श्री राधा रानी को यह श्राप दे दिया कि वह श्री कृष्ण से दूर हो जाएंगी और पृथ्वी पर जन्म लेंगी। असल में यह सब राधा रानी और कान्हा की ही रचाई हुई लीला थी। कृष्ण अवतार के दौरान प्रेम की मूल वाख्या को समझाने के लिए ही राधा रानी और श्री कृष्ण ने श्राप का यह खेल रचा ताकि कृष्ण से पहलेराधा रानीका पृथ्वी पर अवतरण हो जाए। इसके बाद राधा रानी का भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी के दिन बरसाना में जन्म हुआ।

ट्रम्प का जापान पर अमेरिकी चावल खरीदने का दबाव

नाराज जापानी डेलीगेशन ने दौरा रद्द किया; भारत पर भी मांसाहारी दूध खरीदने का दबाव था

एजेंसी

टोक्यो, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प जापान पर अमेरिकी चावल के लिए बाजार खोलने का दबाव बना रहे हैं। इस वजह से जापान के मुख्य वातार्कार रयोसेई अकाजावा ने अमेरिका दौरा रद्द कर दिया है। निक्केई एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अकाजावा 28 अगस्त को वॉशिंगटन डीसी का दौरा करने वाले थे, लेकिन ट्रम्प के अमेरिकी चावल खरीदने के दबाव के बाद उन्हें यह यात्रा रद्द करनी पड़ी। अमेरिका ने इसी तरह का दबाव भारत पर भी बनाया था। अमेरिका चाहता था कि भारत उनकी मांसाहारी गायों का दूध खरीदे। साथ ही उनके किसानों के लिए भारत अपना मार्केट ओपन करे। लेकिन भारत ने इससे साफ इनकार कर दिया था। इससे बाद अमेरिका ने भारत पर 25% टैरिफ लगा दिया था, जो बाद में बढ़कर 50% तक पहुंच गया। निक्की एशिया के मुताबिक अकाजावा चाहते थे कि उनकी यात्रा से अमेरिका से यह लिखित वादा मिल जाए कि जापानी उत्पादों पर टैरिफ घटेगा, लेकिन जब

यह साफ हो गया कि ऐसा नहीं होगा, तो उन्होंने यात्रा रद्द कर दी। कई सरकारी अधिकारियों ने निक्केई एशिया से कहा कि ट्रम्प ने जापान पर दबाव डालकर पहले उससे टैरिफ कम कराया और फिर कृषि उत्पादों का आयात बढ़ाने की शर्त रखी। इसके बदले में जापान को उम्मीद थी कि अमेरिका ऑटोमोबाइल पर टैरिफ का बोझ कम करेगा, लेकिन ट्रम्प की तरफ से इसे लेकर कोई ठोस भरोसा नहीं मिला। जापान का कहना है कि अमेरिका का रवैया उसकी घरेलू नीतियों में हस्तक्षेप है। अकाजावा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अभी कई मुद्दे ऐसे हैं जिन पर अधिकारियों के स्तर पर और बातचीत की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब तक वार्ता आगे बढ़ती रहेगी, वे अमेरिका की यात्रा टाल रहे हैं, लेकिन संभव है कि भविष्य में फिर से जाएं। रिपोर्ट के मुताबिक अगर जापान, अमेरिका से चावल की खरीद बढ़ाता है तो इससे उसके किसानों को नुकसान हो सकता है। इससे कृषि समुदाय नाराज भी हो सकता है। इस बीच व्हाइट हाउस ने दावा किया कि जापान ने जुलाई में ही अमेरिकी चावल के आयात कोटा में 75% बढ़ोतरी पर सहमति दे दी थी। बाद में जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने साफ कहा कि उनका देश अमेरिकी दबाव में अपने किसानों के हितों का बलिदान नहीं करेगा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जापान और अमेरिका की बातचीत में मुख्य समस्या एक-दूसरे पर भरोसा न करना है। अमेरिका चाहता है कि जापान अपने 550 अरब डॉलर के इन्वेस्टमेंट के वादे को लिखित समझौते में बदले। वहीं, जापान कह रहा है कि अगर उसे लिखित गारंटी चाहिए तो अमेरिका को भी यह लिखकर देना होगा कि जापानी ऑटो पर 15% टैरिफ तुरंत लागू नहीं होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से जापान और अमेरिका करीबी सहयोगी बने हुए हैं। 1951 में हुई सुरक्षा संधि के तहत अमेरिका जापान की रक्षा की जिम्मेदारी निभाता है, जबकि जापान एशिया में अमेरिकी रणनीतिक उपस्थिति का अहम हिस्सा है। आर्थिक दृष्टि से भी दोनों देशों के रिश्ते बेहद मजबूत हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका ने 2024 में जापान से लगभग 148 अरब डॉलर का आयात किया, जबकि जापान ने अमेरिका से सिर्फ 80 अरब डॉलर का निर्यात किया। जापान का सबसे बड़ा निर्यात क्षेत्र कार और ऑटो पार्ट्स है, जो अमेरिकी ऑटोमोबाइल बाजार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी और एडवांस तकनीक से जुड़े उत्पाद भी जापानी निर्यात का अहम हिस्सा हैं।

इंडोनेशिया में सांसदों की सैलरी बढ़ने पर प्रदर्शन, संसद जलाई

डिलीवरी बॉय की मौत से और बिगड़े हालात, राष्ट्रपति प्रबोवो का चीन दौरा रद्द

एजेंसी

जकार्ता, इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता समेत देश के कई हिस्सों में सांसदों की तनख्वाह बढ़ाने के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार रात मकासर शहर की क्षेत्रीय संसद में आग लगा दी। हाल ही में इंडोनेशियाई पुलिस के वाहन ने मोटरसाइकिल से जा रहे डिलीवरी बॉय को कुचल दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद हालात और ज्यादा बिगड़ गए। उग्र प्रदर्शनों को देखते हुए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने शनिवार को अपनी चीन यात्रा रद्द कर दी। उन्हें

3 सितंबर को चीन में विक्ट्री डे समारोह में जाना था, जो सेकेंड वर्ल्ड वॉर खत्म होने की 80वीं सालगिरह पर आयोजित होता है। प्रबोवो के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति देश की हालात पर खुद नजर रखना चाहते हैं और इन हालातों को बेहतर तरीके से मैनेज करना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने चीन सरकार से माफी मांगी कि वे उनके बुलावे पर नहीं जा पाएंगे। इन हिंसक विरोध-प्रदर्शन में अब तक 3 लोगों की मौत हो गई

और 5 लोग घायल हो गए। लोगों ने सरकारी अधिकारियों और उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के खिलाफ प्रदर्शन तेज कर दिया है। ड्राइवर की मौत के मामले में 7 अधिकारियों को हिरासत में लिया गया है।

इन प्रदर्शनों में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए और मृत ड्राइवर के परिवार से मुलाकात की। इंडोनेशिया की कानूनी सहायता संस्था (वाईएलबीएचआई) ने पुलिस की कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। वाईएलबीएचआई के मुताबिक, जकार्ता में 600 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में लिया गया, जिनमें से कई को बिना किसी आरोप के थानों में रखा गया। संगठन ने पुलिस पर क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाया है।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि पुलिस ने न सिर्फ रबर की गोलियां चलाईं, बल्कि कुछ जगह गोला-बारूद का भी इस्तेमाल किया।

यूक्रेन जंग पर जयशंकर बोले- भारत को निशाना बनाना गलत

हम बातचीत के हिमायती; ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से 25% टैरिफ लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड के विदेश मंत्री से फोन पर बातचीत में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भारत हमेशा शांति और बातचीत की वकालत करता रहा है। उन्होंने एक्स पर लिखा- आज फिनलैंड के विदेश मंत्री से फोन पर बात हुई। हमने यूक्रेन जंग और इसके असर पर बात की। इस मामले में भारत को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम बातचीत और डिप्लोमेसी के पक्ष में हैं। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प भारत पर रूसी तेल खरीद की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया है। ट्रम्प का कहना है कि भारत रूस से तेल खरीद रहा है, जिस वजह से पुतिन को यूक्रेन जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। भारतीय विदेश मंत्री का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पीएम मोदी एससीओ समिट में शामिल होने चीन पहुंचे हैं। यहां वो चीनी एससीओ समिट से इतर पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन के दिसंबर में भारत दौरे के प्रोग्राम पर भी चर्चा होगी। चीन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक एससीओ समिट की बैठक होने वाली है। इसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता शामिल होंगे।

इससे पहले पीएम मोदी ने जापान के अखबार 'द योमिउरी शिम्बुन' से कहा कि भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में निष्पक्ष और मानवीय रुख अपनाया है, जिसकी पुतिन और जेलेंस्की दोनों ने सराहना की है।

भारत बातचीत और डिप्लोमेसी को बढ़ावा देता है। पीएम मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने शनिवार को फोन पर बात की। जेलेंस्की ने यूक्रेन में चल रहे हालातों के बारे में जानकारी दी। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि भारत हमेशा शांति की पक्षधर है। उन्होंने यूक्रेन में जल्द से जल्द शांति लाने के लिए हर तरह की मदद करने का वादा किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बताया कि भारत शांति के लिए अपने प्रयास जारी रखेगा और यूक्रेन में स्थिरता लाने में सहयोग देगा। वहीं, जेलेंस्की ने कहा- मैंने पीएम मोदी से बात की। मैंने उन्हें वॉशिंगटन में राष्ट्रपति ट्रम्प और यूरोपीय नेताओं के साथ हुई बातचीत के बारे में बताया। यूक्रेन रूस के साथ शांति वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन रूस ने कोई सकारात्मक संकेत नहीं दिया। इससे पहले पीएम मोदी ने 26 अगस्त को यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर लेटर लिखकर जेलेंस्की को बधाई दी थी। पीएम मोदी ने लेटर में लिखा था- मुझे पिछले साल कीव की यात्रा बहुत अच्छी लगी थी। तब से भारत और यूक्रेन के रिश्ते और बेहतर हुए हैं। भारत हमेशा शांति के पक्ष में है। इसके जवाब में जेलेंस्की ने कहा था कि भारत शांति और बातचीत के लिए पूरी तरह समर्पित है। इस भयानक युद्ध को शांति से खत्म करने के लिए दुनिया कोशिश कर रही है और हम भारत की मदद चाहते हैं। रूस-यूक्रेन बातचीत से इतर एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। यूक्रेनी नेवी का सबसे बड़ा जहाज सिम्फेरोपोल गुरुवार को रूस के समुद्री ड्रोन हमले में डूब गया। यह जहाज पिछले 10 साल में यूक्रेन का सबसे बड़ा जहाज था।

भारत बना यूक्रेन का सबसे बड़ा डीजल सप्लायर

जुलाई में हर दिन 2,700 टन डीजल बेचा, रूसी तेल की वजह से अमेरिका ने टैरिफ लगाया था

एजेंसी

नई दिल्ली, भारत ने जुलाई 2025 में यूक्रेन को सबसे ज्यादा डीजल सप्लाई किया। यूक्रेन की ऑयल मार्केट एनालिटिक्स फर्म नाफ्टोरिनोक ने इस बात की जानकारी दी है। डीजल सप्लाई में यह उछाल एसे समय में आया है, जब अमेरिका ने भारत के रूसी तेल आयात को लेकर उस पर 50% पनिशटिव टैरिफ लगाए हैं। नाफ्टोरिनोक के मुताबिक, भारत ने इस महीने यूक्रेन की डीजल जरूरतों का 15.5% हिस्सा पूरा किया, जो कि

पिछले साल जुलाई 2024 में मात्र 1.9% था। जुलाई 2025 में भारत ने हर दिन औसतन 2,700 टन डीजल यूक्रेन को भेजा, जो इस साल के सबसे ऊंचे मासिक निर्यात आंकड़ों में से एक है।

यहां सबसे दिलचस्प बात यह है कि डीजल बनाने के लिए भारत सबसे ज्यादा कच्चा तेल रूस से ही खरीद रहा है जिसकी यूक्रेन के साथ जंग चल रही है। यानी, एक तरफ अमेरिका भारत को रूसी तेल खरीदने के लिए सजा दे रहा है, और दूसरी तरफ भारत का डीजल यूक्रेन की युद्धकालीन अर्थव्यवस्था को सपोर्ट कर रहा है। यह वैश्विक कूटनीति और व्यापार की जटिलताओं को दशार्ती है। जुलाई में अन्य प्रमुख सप्लायर्स में स्लोवाकिया (15%), ग्रीस (13.5%), तुर्की (12.4%) और लिथुआनिया (11.4%) शामिल थे। डोनाल्ड ट्रम्प का कहना है कि भारत और चीन जैसे देश रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसकी युद्ध मशीन को फंडिंग दे रहे हैं। वहीं भारत का कहना है कि वह रूस से तेल इसलिए खरीद रहा है, क्योंकि यह सस्ता है और इससे भारतीय उपभोक्ताओं को किफायती कीमत पर ईंधन मिल रहा है।

'चीट मिनिस्टर बन गए हैं...'

तेजस्वी यादव का विवादित बयान, सीएम नीतीश को बताया धोखेबाज

एजेंसी

पीएम मोदी को लेकर दिए गए विवादित बयान का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है कि अब तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर विवादित बयान दे दिया है. उन्होंने कहा कि वह चीफ मिनिस्टर नहीं बल्कि चीट मिनिस्टर बन गए हैं.

सीएम पर क्या बोले तेजस्वी यादव?

तेजस्वी यादव ने एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ₹मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनकी केवल नकल ही करते हैं. उनका अपना कोई विजन नहीं है. मुख्यमंत्री नकल कर रहे हैं. वे मुख्यमंत्री की तरह नहीं बल्कि धोखेबाज मंत्री की तरह व्यवहार कर रहे हैं. बिहार की जनता इनकी चाल और चरित्र को पहचान गई है और जनता अब परिवर्तन लाएगी.

'योजनाओं की नकल कर रहे हैं'

बता दें कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची संशोधन के मुद्दे पर सियासी घमासान मचा हुआ है. राहुल -तेजस्वी की वोटर अधिकार यात्रा खत्म हो चुकी है और सोमवार को पटना में रोड शो है. इस बीच तेजस्वी यादव ने एक बार फिर

- तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनकी केवल नकल ही करते हैं. उनका अपना कोई विजन नहीं है. जनता अब परिवर्तन लाएगी.
- तेजस्वी यादव का विवादित बयान, सीएम नीतीश को बताया धोखेबाज

नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि हमारी तमाम योजनाओं की नकल कर रहे हैं. दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश कुमार ने एक और मास्टरस्ट्रोक चला है. अब सरकार ने फैसला किया है कि राज्य के हर परिवार की एक महिला को व्यवसाय शुरू करने के लिए सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी जाएगी. यह मदद दो लाख रुपये तक होगी. पहली किस्त के तौर पर महिलाओं को सितंबर महीने में 10 हजार रुपये दिए जाएंगे. छह महीने के मूल्यांकन के बाद बेहतर काम करने वाली महिलाओं को अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त मदद दी जाएगी. सीएम नीतीश की ये योजना तेजस्वी यादव के जरिए ऐलान की गई 'माई-बहिन मान योजना' की काट बताई जा रही है.

चीनी सामान से बढ़ा देश का आर्थिक संकट

भाजपा की आत्मनिर्भरता खोखली, अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चीन से आयात पर भारत की बढ़ती निर्भरता को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घातक बताते हुए भाजपा के स्वदेशी और बहिष्कार के दावों को खोखला करार दिया। उन्होंने भाजपा सरकार से सवाल किया कि चीन से कब्जे में ली गई कितनी भारतीय जमीन वापस आई है और क्या देश की कुल भूमि में कमी आई है, यह राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की आत्मनिर्भरता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए रविवार को कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भारत की निर्भरता लगातार बढ़ रही है, जिसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के घटते कारोबार पर पड़ रहा है। सपा प्रमुख यादव ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, यही है तथाकथित आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई जुमलों का चिंताजनक सच। उन्होंने इसे विस्तार से समझाते हुए कहा, चीन से आने वाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है। यादव ने आगाह करते हुए कहा, भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। उन्होंने आगे कहा, पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा जिससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। यादव ने दावा किया, उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा और उसके बाद मनमाने दाम पर हर चीज की आपूर्ति करेगा। उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। भविष्य के खतरों को लेकर उन्होंने आगाह किया, जब महंगाई और बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ जनता का आक्रोश भी बढ़ेगा और बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी सपा प्रमुख ने कहा, फिर खुद ही लड़खड़ाती भाजपा सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पाएगी... उसके बाद हमारी जमीन पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा।... इसके बाद भाजपा दोहराएगी कि न कोईङ्घ न कोईङ्घ! यादव ने कहा, अगर ये बात ड्रोनवालों को समझ नहीं आ रही है

अमित शाहँ पर 'सिर काटने' वाले बयान पर महुआ मोइत्रा फंसीं, छत्तीसगढ़ में प्राथमिकी दर्ज

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर महुआ मोइत्रा की विवादास्पद टिप्पणी ने उन्हें गंभीर कानूनी मुश्किल में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक स्थानीय व्यक्ति ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 196 और 197 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर अवैध घुसपैठ पर अमित शाह का सिर काटने की बात कही थी।

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ 'आपत्तिजनक' टिप्पणी की थी। इसी सिलसिले में अब उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक एफआईआर दर्ज की गई है। यहां एक स्थानीय निवासी ने मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पीटीआई ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप) के तहत मामला दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत कई भाजपा नेताओं ने मोइत्रा की टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने तृणमूल नेता के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। सोशल मीडिया पर इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए कार्रवाई की मांग की है, जिससे यह मुद्दा गरमा गया है। महुआ मोइत्रा ने कथित तौर पर कहा था कि भारत में अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ को रोकने में विफल रहने के लिए अमित शाह का 'सिर काट' देना चाहिए।

पंजाब में बाढ़ का कहर जारी! व्यास समेत नदियाँ उफान पर, 24 की मौत

लाखों एकड़ फसल तबाह, सेना और एसडीआरफ बचाव कार्यों में जुटे हैं।

पंजाब में लगातार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ने से कपूरथला प्रशासन ने सुल्तानपुर लोधी सहित निचले इलाकों के लिए अलर्ट जारी किया है। अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है और 1.51 लाख एकड़ फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे राज्य को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। सेना और एसडीआरफ बचाव कार्यों में जुटे हैं।

एजेंसी

पंजाब । पंजाब में रविवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई, क्योंकि कई ज़िलों में लगातार बारिश हो रही है और घग्गर व ब्यास नदियाँ उफान पर हैं। पंजाब में बाढ़ से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के नौ जिलों में रावी, ब्यास और सतलुज नदियों के उफान के कारण 1,018 गाँव प्रभावित हुए हैं और 1.51 लाख एकड़ (61,273 हेक्टेयर) में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई हैं, जिससे बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। फसलों के नुकसान और पशुओं की मौत के कारण राज्य को भारी वित्तीय नुकसान

हुआ है। जिला मुख्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फाजिल्का में 16,632 हेक्टेयर, फिरोजपुर में 10,806 हेक्टेयर, कपूरथला में 11,620 हेक्टेयर, पठानकोट में 7,000 हेक्टेयर, तरनतारन में 9,928 हेक्टेयर और होशियारपुर में 5,287 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। पंजाब में कपूरथला जिला प्रशासन ने सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र के लोगों से लगातार बारिश के बाद ब्यास नदी में जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर रविवार को अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कपूरथला के उपायुक्त अमित कुमार पांचाल ने बताया कि भारी बारिश के कारण ब्यास नदी का जलस्तर 2.35 लाख क्यूसेक तक बढ़ गया है और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया गया है। मौसम विभाग ने कपूरथला जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पांचाल ने कहा कि लोगों की जान बचाना प्रशासन की प्राथमिकता है इसलिए प्रभावित इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सेना और राज्य आपदा मोचन बल के दल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लगातार पहुंचा रहे हैं। सुल्तानपुर लोधी और भुलत्थ इलाके के गांव बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हैं।